लखनऊ

बुधवार, 17 जून, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 291

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

हर सुबह हमारे पास दो चुनाव होते हैं। पहला अपने सपनों के साथ सोते रहें दूसरा उठें और उन सपनों के पीछे भागें अब चुनाव आपको करना है आपकी दिन शुभ हो

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

बीजेपी की नई टीम पर आरएसएस की मुहर! मोदी के विज़न संग सामाजिक समीकरण पर रहेगा जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के घर पर बीजेपी के सीनियर नेताओं और आरएसएस के प्रतिनिधियों की चार घंटे की बैठक के एक दिन बाद, पार्टी सूत्रों ने बताया कि अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान जल्द ही किया जाएगा। संगठन में बड़े बदलाव की अटकलों के बीच, इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, आरएसएस पदाधिकारी अरुण कुमार और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष शामिल हुए। हालांकि कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई, लेकिन सूत्रों का कहना है कि बातचीत संगठन के पुनर्गठन और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में एक नई टीम बनाने पर केंद्रित थी। यह बैठक इसलिए भी अहम है क्योंकि दिल्ली भाजपा और राष्ट्रीय भाजपा इकाई समेत कई राज्य इकाइयों में जल्द ही संगठनात्मक बदलाव होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, बातचीत नितिन नवीन की नई टीम के प्रस्तावित गठन पर केंद्रित रही और संगठन में अहम नियुक्तियों की घोषणा अगले कुछ दिनों में होने की संभावना है। एक सूत्र ने कहा कि नितिन नवीन की नई टीम में ज़्यादा से ज़्यादा नए और युवा चेहरे शामिल होने की उम्मीद है, क्योंकि नितिन नवीन खुद पार्टी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। सूत्रों का कहना है कि बड़े फेरबदल के तहत कई नेताओं को संगठन और सरकार में अलग-अलग भूमिकाओं में भेजा जा सकता है। नई टीम में अलग-अलग जातियों और समुदायों के नेताओं को शामिल करके पार्टी की 'सोशल इंजीनियरिंग' रणनीति की झलक भी देखने को मिल सकती है। अरुण कुमार ने RSS की ओर से बैठक में हिस्सा लिया और चर्चा के विषयों पर संघ का पक्ष रखा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नितिन नवीन के 20-21 जून के आसपास अपनी नई टीम की घोषणा करने की उम्मीद है। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि संगठनात्मक बदलावों के बाद NDA 3.0 सरकार के दो साल पूरे होने पर केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है।

1.85 लाख के बिजली बिल और अधिकारियों की प्रताड़ना से हार गया पान विक्रेता, सुसाइड नोट लिखकर दी जान

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से एक ऐसा सिस्टम को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जो किसी की भी रूह कंपा देगा। जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र स्थित मुरादचक गांव में एक छोटी सी गुमटी में पान बेचकर अपने परिवार का पेट पालने वाले सुरेंद्र कश्यप ने जहर (सल्फास) खाकर अपनी जान दे दी। कथित तौर पर सुरेंद्र बिजली विभाग के भारी-भरकम बिल और वसूली के लिए अधिकारियों द्वारा बनाए जा रहे लगातार दबाव से गहरे तनाव में थे। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसने सरकारी महकमे की संवेदनहीन कार्यप्रणाली की पोल खोल कर रख दी है। मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक साल पहले बिजली विभाग की विजिलेंस टीम ने सुरेंद्र की छोटी सी पान की दुकान पर छापेमारी की थी। इस सख्त कार्रवाई के बाद उन पर लगभग 1 लाख 12 हजार रुपये का भारी-भरकम जुर्माना और बकाया बिल थोप दिया गया। रोज कुआं खोदकर पानी पीने वाले एक गरीब पान विक्रेता के लिए यह रकम चुकाना नामुमकिन था।

सुप्रीम कोर्ट का बीसीआई को निर्देश : राज्य बार काउंसिलों में हो महिला प्रतिनिधित्व का 10% को-ऑप्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) को राज्य बार काउंसिलों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के लिए 10 फीसद को-ऑप्शन वाले हिस्से के लिए एक एक समान, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीका बनाने की मंज़ूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बीसीआई का सुझाव काफी निष्पक्ष लग रहा था। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने देखा कि ज्यादातर राज्य बार काउंसिलों के चुनाव या तो पूरे हो चुके थे या पूरे होने वाले थे। अब कार्यवाही में बस एक ही मुद्दा बचा था कि को-ऑप्शन के जरिए महिलाओं के लिए तय की गई अतिरिक्त 10 फीसद सीटें कैसे भरी जाएं। सुनवाई के दौरान बीसीआई ने कोर्ट को बताया कि उसने को-ऑप्शन के नियम बना लिए हैं और वह उन्हें कोर्ट के सामने रखने को तैयार है।

बेंच ने याद दिलाया कि उसके पहले के निर्देशों में महिला वकीलों के लिए 30 फीसद प्रतिनिधित्व की बात कही गई थी, जिसमें 20 फीसद चुनाव के जरिए और 10 फीसद को-ऑप्शन के जरिए होना था। आखिरकार कोर्ट ने BCI की ओर से वकील राधिका गौतम को अधिकार दिया कि वे राज्य बार काउंसिल के नवनिर्वाचित सदस्यों और अन्य संबंधित पक्षों से सलाह-मशविरा करने के बाद को-ऑप्शन (सह-चयन) के लिए एक समान प्रक्रिया तैयार करें। मंगलवार की सुनवाई के दौरान, सीनियर एडवोकेट मीनाक्षी अरोड़ा ने छोटे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़ी चिंताओं को उठाया। गोवा का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 4 हजार सदस्यों वाली बार होने के बावजूद, राज्य को अक्सर महाराष्ट्र और गोवा की बार काउंसिल में प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि दमन और दीव और कई पूर्वोत्तर राज्यों में भी इसी तरह की समस्याएं आती हैं। CJI ने इस चिंता को माना और कहा कि ये वास्तविक मुद्दे हैं।

सीएम योगी ने बयां की अपनी पहली पसंद, राजधानी में बोले-

माफियाओं का खात्मा करना मेरा प्रिय विषय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफियाओं को लेकर बड़ा बयान दिया हैं। सोमवार को लखनऊ में आयोजित डी-3 त्रिवेणी कार्यक्रम में सीएम योगी ने बताया कि माफिया का सफाया करना ही उनका सबसे प्रिय विषय है और वो आगे भी माफियाओं पर इसी तरह कड़ी कार्रवाई करते रहेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ जब इस कार्यक्रम में आए सदस्यों को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्होंने अपने कार्यकाल में हुई एक पुरानी बात का जिक्र करते हुए माफियाओं को लेकर ये बात कही। सीएम योगी ने कहा कि डीजीपी ने लखनऊ में पुलिस की जमीन पर माफिया के कब्जे की बात बताई तो सीएम ने कहा कि माफियाओं का सफाया करना ही उनका सबसे प्रिय विषय है।

'माफिया को खत्म करना मेरा पसंदीदा विषय'

सीएम योगी ने कहा कि 'लखनऊ के एक माफिया ने यूपी पुलिस की ज़मीन पर कब्जा कर लिया था। पिछली सरकारों के संरक्षण में वो माफिया इतना प्रभावी था कि पुलिस की इतनी हिम्मत नहीं हो रही थी कि वो उससे जमीन खाली करा ले। एक दिन रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले एक डीजीपी मेरे पास एक फाइल लेकर आए, उन्होंने बताया कि यूपी पुलिस की लाइन पर एक माफिया का कब्जा है। तो मैंने कहा कि ये तो हमारा सबसे प्रिय विषय है।'

पहले FIR और फिर अगले दिन पहुंचा बुलडोज़र

सीएम योगी की इस बात पर हॉल में तालियां बजने लगी। जिसके बाद सीएम योगी ने आगे कहा कि 'उन्होंने (पूर्व डीजीपी) पूछा क्या मतलब? मैंने कहा कि ये आप मुझे दे दीजिए, मैं इसे ठीक करा देता हूं। आप आश्चर्य करेंगे कि वो 120 एकड़ की ज़मीन हैं एयरपोर्ट से थोड़ी दूरी पर ही। उसकी कीमत का अंदाजा लगा सकते हैं। मैंने कहा घबराइए मत।।इसके बाद मैंने उस पर एफआईआर दर्ज कराई और फिर वहां पर अगले दिन हमारा बुलडोज़र पहुँच गया।'

सीएम योगी ने कहा कि जैसे ही ये मामले मेरे संज्ञान में आया फिर उनकी सरकार ने न सिर्फ जमीन को तुरंत मुक्त कराया बल्कि रिकॉर्ड में माफिया के नाम जमीन चढ़ाने वाले अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की। मुख्यमंत्री सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अब उत्तर प्रदेश में कहीं भी जमीन कब्जाने की कोशिश करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है।

राजौरी में एलओसी के पास बड़ा हादसा, ग्रेनेड ब्लास्ट में जेसीओ समेत 4 जवान घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में लाइन ऑफ़ कंट्रोल के पास गश्त के दौरान एक दुखद घटना हुई, जिसमें ग्रेनेड के अचानक फटने से भारतीय सेना के चार जवान घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, यह घटना नौशेरा सेक्टर में तब हुई जब LoC पर तैनात कुमाऊं रेजिमेंट यूनिट के जवान नियमित गश्त कर रहे थे। ऑपरेशन के दौरान, कथित तौर पर एक मल्टी-मोड ग्रेनेड गलती से फट गया, जिससे एक जूनियर कमीशंड ऑफ़िसर (JCO) और तीन जवान घायल हो गए। सूत्रों के मुताबिक, यह धमाका तब हुआ जब सैनिक संवेदनशील बॉर्डर इलाके में रेगुलर निगरानी और सुरक्षा ड्यूटी के तहत आगे के इलाके से गुज़र रहे थे। अचानक हुए इस धमाके में चार जवान घायल हो गए, जिसके बाद मौके पर मौजूद दूसरे सैनिकों ने तुरंत इमरजेंसी कार्रवाई की। घायल सैनिकों को तुरंत घटनास्थल से निकालकर पास के मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

बार-बार पेपर लीक से नाराज प्रियंका गांधी बोलीं- व्यवस्थागत सुधार की है तुरंत जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बार-बार परीक्षा के पेपर ली होने से प्रभावित छात्रों के प्रति एकजुटता जताई और सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों से अपील की कि वे छात्रों और उनके परिवारों की मुश्किलों को समझें। 16 जून को इस मुद्दे पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी, जिनकी सार्वजनिक ज़िम्मेदारी है, हमें छात्रों के साथ खड़ा होना चाहिए और यह समझना चाहिए कि वे किस तरह की मुश्किलों और तकलीफ़ों से गुज़रे हैं। हर पेपर लीक हो जाता है। उनके माता-पिता उनके लिए कर्ज़ ले रहे हैं। गांधी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह समस्या अलग-थलग नहीं है, बल्कि एक गहरी व्यवस्थागत समस्या का संकेत है जिस पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि एक गहरी व्यवस्थागत समस्या है, और हमें इसे मिलकर हल करना चाहिए। पेपर लीक कोई एक बार की समस्या नहीं है; यह बनी हुई है। हमें बदलाव लाने की ज़रूरत है। कांग्रेस नेता ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधारों की ज़रूरत पर ज़ोर दिया, ताकि छात्रों का भरोसा बहाल हो सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि लगातार हो रही अनियमितताओं की वजह से उनकी मेहनत बेकार न जाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, युवाओं से जुड़े मुद्दों और कथित परीक्षा घोटालों के खिलाफ कांग्रेस के अभियान के तहत, पूरे भारत में बड़े छात्र सम्मेलनों की एक श्रृंखला का नेतृत्व करेंगे। इसकी शुरुआत 17 जून को कोटा से होगी। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने घोषणा की कि आगे के कार्यक्रम 10 जुलाई को इलाहाबाद, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में छात्र, नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार, युवा संगठन और शिक्षक एक साथ आएंगे।

मनी लॉन्ड्रिंग पर ईडी का बड़ा एक्शन, दिल्ली-गोवा समेत 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दिल्ली, हरियाणा और गोवा में 11 जगहों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई ओरिएंटल बैंक ऑफ़ कॉमर्स और कंसोर्टियम बैंकों को लगभग 155.21 करोड़ का कथित तौर पर गलत तरीके से नुकसान पहुँचाने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले के सिलसिले में की गई। ईडी के चंडीगढ़ ज़ोनल ऑफ़िस ने महेश टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड के ख़िलाफ़ जांच के सिलसिले में हरियाणा के करनाल, दिल्ली और गोवा में अशोक मित्तल, सौरभ ढींगरा, भरत भूषण मित्तल, रमन सिंघल और अन्य लोगों से जुड़ी जगहों पर तलाशी अभियान शुरू किया।

यह मामला सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (CBI) द्वारा महेश टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड, उसके डायरेक्टरों और अन्य लोगों के ख़िलाफ़ इंडियन पीनल कोड (IPC) और प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट के तहत दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है। ईडी के अनुसार, आरोपी ने 'फिनाकल' (Finacle) में बिना किसी संबंधित एंट्री के, कथित तौर पर अनधिकृत SWIFT बदलावों के ज़रिए 'फॉरेन लेटर्स ऑफ़ क्रेडिट' (FLCs) की राशि को धोखाधड़ी से बढ़ा दिया। इससे ओरिएंटल बैंक ऑफ़ कॉमर्स और कंसोर्टियम बैंकों को लगभग 155.21 करोड़ का कथित तौर पर गलत नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में आरोपी लोगों के खिलाफ मिली कुछ जानकारियों के आधार पर, पुलिस के साथ मिलकर मंगलवार सुबह से ही छापेमारी की जा रही है।

बंगाल में एलओपी पद पर संग्राम, विधानसभा स्पीकर के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी

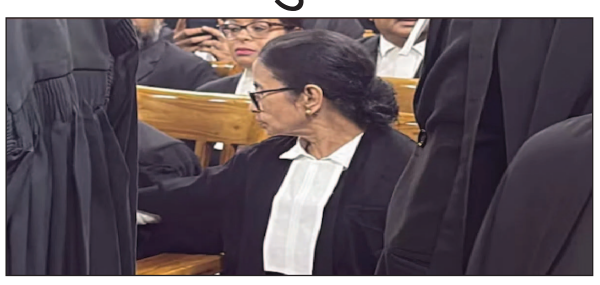

कोलकाता, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता हाई कोर्ट पहुंचीं। अदालत के सूत्रों के अनुसार, ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुने जाने के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ याचिका दायर की है। ममता बनर्जी उसी मामले से संबंधित कार्यवाही के सिलसिले में अदालत पहुंची हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी ममता बनर्जी चुनाव बाद हुई हिंसा से जुड़े एक मामले में वकील के रूप में कोलकाता हाई कोर्ट में पेश हुई थीं और अदालत में अपनी दलीलें रखी थीं। ऋतब्रत बनर्जी के मुताबिक, बागी विधायकों की तादाद 67-68 तक पहुंच सकती है। विधानसभा चुनाव तृणमूल कांग्रेस के कुल 80 विधायक चुनकर आए थे। ऋतब्रत बनर्जी ने सबसे पहले 58 विधायकों के समर्थन वाला पत्र स्पीकर रथिंद्र बोस को सौंपा था, जिसके बाद उनको विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता मिल गई थी। बाद में, बताते हैं, तीन अन्य विधायकों ने अलग अलग समर्थन पत्र दिए हैं। कुछ और विधायकों की ओर से भी ऐसे समर्थन पत्र सौंपे जाने का दावा किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हालिया चुनावी हार के बाद, पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी सूत्रों के अनुसार, बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को जल्द ही सत्ता से हटा दिया जाएगा। कालीघाट में पार्टी विधायकों के साथ बैठक के दौरान बनर्जी ने कहा कि आने वाले दिनों में दिल्ली में बीजेपी को सत्ता से हटा दिया जाएगा। बैठक में मौजूद टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी इस बात की पुष्टि की कि पार्टी नेतृत्व बीजेपी के खिलाफ अपनी लड़ाई से पीछे नहीं हटेगा, चाहे कुछ भी हो जाए।

नीट यूजी री-एग्जाम से पहले देश में टेलीग्राम पर रोक, नहीं कर सकेंगे एक्सिस

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' (NEET) के आयोजन से ठीक पहले केंद्र सरकार और आईटी मंत्रालय ने एक बड़ा और कड़ा फैसला लिया है। परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी, प्राइवेसी ब्रीच या पेपर लीक की अफवाहों को रोकने के लिए देश भर में टेलीग्राम की सेवाओं पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी गई है। इस प्रतिबंध के बाद देश के अधिकांश हिस्सों में यूजर्स टेलीग्राम ऐप और उसकी वेबसाइट को एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट पर लिया गया बड़ा फैसला

सूत्रों के मुताबिक, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) और खुफिया विभागों को ऐसे इनपुट मिले थे कि कुछ असमाजिक तत्व टेलीग्राम ग्रुप्स और चैनल्स के जरिए परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं। पूर्व में हुई कुछ परीक्षाओं के दौरान टेलीग्राम पर कथित पेपर लीक और फर्जी प्रश्न पत्र बेचने के मामले सामने आए थे। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने एहतियातन परीक्षा से पहले ही इस प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करने का आदेश जारी कर दिया।

परीक्षा की शुचिता बनाए रखना प्राथमिकता

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सरकार की पहली प्राथमिकता नीट जैसी संवेदनशील और महत्वपूर्ण परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराना है। टेलीग्राम पर लगी यह पाबंदी परीक्षा प्रक्रिया पूरी होने तक जारी रह सकती है। इसके साथ ही सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफॉर्म्स पर भी सुरक्षा एजेंसियों की पैनी नजर बनी हुई है।

छात्र और यूज़र्स नहीं कर पा रहे हैं एक्सेस

इस आदेश के लागू होते ही देश के प्रमुख इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स (ISPs) और टेलीकॉम कंपनियों ने टेलीग्राम के सर्वर को ब्लॉक कर दिया है। सुबह से ही करोड़ों यूजर्स के फोन में न तो मैसेज डिलीवर हो रहे हैं और न ही कोई मीडिया फाइल डाउनलोड हो रही है।

महाराष्ट्र में 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चा, शिवसेना यूटीबी के 16 एमएलए-6 एमपी बदल सकते हैं पाला

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूटीबी) में एक और बड़ी टूट हो सकती है, सूत्रों का कहना है कि 14 से 16 विधायक और छह सांसद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह संभावित टूट अगले छह-सात दिनों में हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो 2022 में हुई उस बगावत के बाद उद्धव ठाकरे के लिए यह एक और बड़ा झटका होगा, जिसने महाराष्ट्र की राजनीतिक तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया था।

तृणमूल कांग्रेस को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चाओं के ठीक बाद यह घटनाक्रम सामने आया है और अब सबका ध्यान शिवसेना (यूटीबी) की ओर चला गया है। कथित 'ऑपरेशन टाइगर' की अफवाहों ने पार्टी के भीतर चिंता पैदा कर दी है कि उसके कुछ सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। इन अटकलों ने इतना गंभीर रूप ले लिया कि उद्धव ठाकरे को मुंबई में अपने आवास 'मातोश्री' पर शिवसेना (यूटीबी) के सभी नौ लोकसभा सांसदों की बैठक बुलानी पड़ी। इस बैठक का मकसद पार्टी की मज़बूती का आकलन करना और पार्टी में संभावित फूट की बढ़ती अफ़वाहों का जवाब देना था। हालाँकि, यह बैठक जल्द ही पूरे राज्य में और ज़्यादा राजनीतिक अटकलबाज़ियों का विषय बन गई।

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने 16 जून को कहा कि 2029 तक शिवसेना (यूटीबी)गुट खत्म हो सकता है, क्योंकि ऐसी खबरें हैं कि इसके कई सांसद एकनाथ शिंदे के गुट में शामिल हो सकते हैं। 'ऑपरेशन टाइगर' के मुद्दे पर बात करते हुए निरुपम ने कहा कि नेताओं और कार्यकर्ताओं का यूटीबी लीडरशिप से भरोसा लगातार कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि यूटीबी पार्टी धीरे-धीरे खत्म हो रही है। उनके MLA और MP को अब यूटीबी की लीडरशिप पर भरोसा नहीं रहा। 2029 तक यह पार्टी खत्म हो जाएगी। लोग रोज़ यूटीबी छोड़ रहे हैं। जहाँ तक उनके MP की बात है, तो इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। यह उनकी पार्टी का अंदरूनी मामला है। यह पार्टी धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी और लोग इसे छोड़ देंगे।

ऑपरेशन टाइगर 'अंतिम चरण' में, मानसून सत्र से पहले शिंदे को मिलेंगे 7 यूटीबी

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना एमएलसी कृपाल तुमाने ने दावा किया कि ऑपरेशन टाइगर के तहत शिवसेना के सात सांसदों के साथ बातचीत अंतिम चरण में पहुँच गई है और कहा कि संसद के आगामी मॉनसून सत्र से पहले उनके एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट में शामिल होने की संभावना है। ANI से बात करते हुए तुमाने ने कहा कि ऑपरेशन टाइगर के तहत (शिवसेना यूटीबी के) सात सांसदों के साथ हमारी बातचीत आखिरी चरण में पहुँच गई है।

एक मेडिकल प्रक्रिया का उदाहरण देते हुए, शिवसेना नेता ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी होने वाली है। उन्होंने कहा कि जैसे जब हम ऑपरेशन के लिए अस्पताल जाते हैं, तो पहले जांच होती है और रिपोर्ट आती है। अब बस डॉक्टर के साथ प्रक्रिया की आखिरी तारीख तय करनी है। ऑपरेशन उसी

दिन होगा। तुमाने ने आगे संकेत दिया कि मॉनसून सत्र से पहले यह घटनाक्रम होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह मॉनसून सत्र से पहले होगा। बिना ज़्यादा जानकारी दिए, उन्होंने भरोसा जताया कि सांसद पार्टी में शामिल होंगे। तुमाने ने कहा कि हमारे लिए सारी जानकारी बताना सही नहीं है। लेकिन यह लगभग तय है कि वे हमारे साथ जुड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बातचीत कई हफ़्तों से चल रही है और अब यह एक अहम चरण में पहुँच गई है। उन्होंने आगे कहा कि ये बातचीत एक महीने से चल रही है, लेकिन आज यह अंतिम चरण में है। यह बात तब सामने आई है जब रविवार को शिवसेना (यूटीबी) के सांसद संजय राउत ने 'ऑपरेशन टाइगर' से जुड़ी अटकलों को सख्ती से खारिज किया और कहा कि पार्टी अखंड, एकजुट और मजबूत है।

महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की चर्चा ज़ोरों पर है। अटकलें हैं कि UBT सेना के नौ में से सात सांसद एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के संपर्क में हैं और उसमें शामिल होना चाहते हैं। इस घटनाक्रम के बीच, उद्धव ठाकरे ने यूटीबी सेना के सांसदों की एक बैठक बुलाई। इसके बाद, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि उनकी पार्टी इसके जवाब में 'ऑपरेशन वुल्फ' शुरू करेगी।

लखीमपुर में ट्रॉली में घुसी कार, 4 KM तक घिसटी, हरिद्वार से लौट रहे दंपती सहित तीन की मौत

"हादसे के कारणों की जांच चल रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और कार ड्राइव कर रहे व्यक्ति को झपकी लगना बताया जा रहा है। दोनों वाहन पुलिस के कब्जे में है। परिजन की तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।"

संजीव कुमार सिंह, एसएचओ मैगलगंज

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर चपरतला के पास मंगलवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे ने सुल्तानपुर के एक परिवार को गहरे जख्म दे दिए। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे का कारण कार चला रहे विमल सिंह का झपकी आना बताया जा रहा है।

सड़क हादसे में सुल्तानपुर की दंपती सहित उनकी भांजी की मौत हो गई है। जबकि अस्पताल में भाई-बहन व मामा जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहे हैं। सड़क हादसे की जानकारी होने पर स्वजन घटनास्थल पर पहुंच गए है। कार में कुल छह लोग सवार थे।

सुल्तानपुर जिले के शास्त्री नगर निवासी विमल सिंह अपने परिवार के साथ वीकेंड पर शनिवार को देवभूमि हरिद्वार की यात्रा पर निकले थे। मंगलवार सुबह करीब तीन बजे चपरतला के पास उनकी कार आगे चल रही एक नमक भरी ओवरलोड ट्रॉली में पीछे से जा घुसी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के केवल परखच्चे ही नहीं उड़े, बल्कि कार ट्रॉली में घुसी हुई करीब चार किलोमीटर तक जहानीखेड़ा से लेकर चपरतला तक घिसटती ही रही। बाद में उसे एक वाहन चालक ने ओवरटेक कर ट्रैक्टर चला रहे चालक को इसकी जानकारी दी।

ये जानकर ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर ट्राली छोड़कर भाग गया। तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से पसगवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। तीन लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पसगवां से शाहजहांपुर भेजा गया।

जहां से सभी घायलों को लखनऊ रेफर कर दिया गया। मृतकों में 40 वर्षीय विमल सिंह , उनकी पत्नी 20 वर्षीय वंदना सिंह पटेल निवासीगण मुहल्ला शास्त्रीनगर जिला सुल्तानपुर तथा उनकी भांजी 22 वर्षीय आलीख्या वर्मा निवासी ग्राम रायपुर थाना दोस्तपुर जिला सुल्तानपुर शामिल हैं।

वहीं हादसे में परिवार के तीन अन्य सदस्य 15 वर्षीय रूबी व उसका भाई 14 वर्षीय वीर पटेल पुत्र विमल सिंह व विमल सिंह का साला 27 वर्षीय आयुष सिंह पुत्र रामनिवास निवासी ग्राम खंडवारी थाना बनुआ जिला सुल्तानपुर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इनमें वीर पटेल और उनकी बहन रूबी के पैर टूट गए हैं।

श्रीमद्भागवत कथा में नागराज के पहुंचने से श्रद्धालु हुए भावविभोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। दूबेपुर ब्लॉक स्थित दिखौली गांव के अति प्राचीन शिव मंदिर परिसर में पूरे अधिमास के दौरान समाजसेवी मनोज सिंह के संयोजकत्व एवं ग्रामवासियों के सहयोग से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर धर्म लाभ ले रहे थे।

कथा के दौरान एक ऐसा दृश्य सामने आया जिसने मौजूद लोगों को आश्चर्य और श्रद्धा से भर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कथा के मध्य मंदिर के चबूतरे पर एक नाग दिखाई दिया, जिसे लोगों ने आस्था के भाव से नागराज मानते हुए कथा श्रवण के लिए आया बताया। कथा वाचन कर रहे कथापीठाधीश्वर सतीश महाराज ने भी शांत वातावरण में कथा जारी रखी। मौजूद लोगों का कहना है कि पूरे समय नाग किसी को नुकसान पहुंचाए बिना वहीं शांत रहा और श्रद्धालु भी बिना भय के कथा सुनते रहे। आरती सम्पन्न होने के बाद नाग स्वयं वहां से निकलकर खेतों की ओर चला गया। इस घटना को लेकर गांव में चर्चा का माहौल बना रहा और कई श्रद्धालुओं ने इसे शिव कृपा एवं धार्मिक आस्था से जोड़कर देखा। हालांकि इस घटना की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। कथा समापन के अवसर पर आयोजित भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सांसद सतीश गौतम के बिगड़े बोल, मुहर्रम क्या है– मैं नही जानता ; अलीगढ़ में पक्षी भी पूछकर उड़ता है

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। मुहर्रम क्या है, मैं नहीं जानता.. अलीगढ़ में पक्षी भी हमसे पूछकर उड़ता है। मुहर्रम के प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर भाजपा सांसद सतीश गौतम का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक मिनट 34 सेकंड के इस वीडियो में सांसद ने जहां एक तरफ क्षेत्र की कानून व्यवस्था को लेकर मजबूत दावा किया, वहीं दूसरी तरफ एएमयू का जिक्र करते हुए बड़ा बयान दिया है।

वायरल वीडियो में जब मीडियाकर्मियों ने सांसद सतीश गौतम से मुहर्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं के बारे में पूछा, तो उन्होंने तल्ख लहजे में कहा, इनका त्योहार आ रहा है, मुझे इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। कानून व्यवस्था और शहर के सांप्रदायिक माहौल पर सांसद ने कहा यह अलीगढ़ है, यहां पक्षी भी हमसे पूछकर उड़ता है। जब यहां माता रानी के जागरण और धार्मिक आयोजन होते हैं, तब क्या कभी कुछ होता है? बिल्कुल नहीं। अलीगढ़ का पुलिस और प्रशासनिक अमला बहुत मजबूत है।

सांसद गौतम ने कहा कि यह वही अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी है, जिसके परिसर में वंदे मातरम और जय श्री राम के नारे गूंज चुके हैं। शहर में जो भी जुलूस निकाला जाएगा, उसकी रूट और समय की अनुमति पूरी तरह से जिला प्रशासन तय करेगा। अलीगढ़ के लोग जिस तरह सद्भावना के साथ रह रहे हैं, उसे देखते हुए मुहर्रम का जुलूस भी पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होगा। किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचने दी जाएगी।

राष्ट्रीय लोकदल ने अवध क्षेत्र के जिलाध्यक्षों की सूची जारी की

सुल्तानपुर। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) उत्तर प्रदेश ने अवध क्षेत्र के लिए नए जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों की सूची जारी की है। यह सूची आरएलडी के अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष चौधरी रामसिंह पटेल ने जारी की। इसे राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी के अंतिम अनुमोदन के लिए भेजा गया है। जारी की गई आधिकारिक सूची के अनुसार, संगठन में क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को साधने का प्रयास किया गया है। इस नई सूची में सुल्तानपुर जनपद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बिलाल अहमद को सौंपते हुए उन्हें नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। सुल्तानपुर के अलावा अवध क्षेत्र के अन्य प्रमुख जिलों के लिए भी अध्यक्षों की घोषणा की गई है। इस घोषणा के बाद अवध क्षेत्र में राष्ट्रीय लोकदल की सांगठनिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

भाजपा नेता की यूनिवर्सिटी पर ईडी का छापा, 13 .83 करोड़ की संपत्ति कुर्क, छात्रवृत्ति से जुड़ा मामला

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए निर्धारित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में कथित फर्जीवाड़े और धन के दुरुपयोग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने 13.83 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। मामले में मेरठ की एक निजी विश्वविद्यालय समेत उत्तराखंड की दो विश्वविद्यालय जांच के दायरे में हैं।

यह मामला वर्ष 2011-12 से 2016-17 के बीच अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए जारी की गई छात्रवृत्ति राशि में कथित अनियमितताओं से जुड़ा हुआ है।

छात्रवृत्ति राशि के दुरुपयोग का आरोप

जांच एजेंसियों के अनुसार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत जारी धनराशि के वितरण में कथित रूप से फर्जीवाड़ा किया गया। आरोप है कि पात्र छात्रों के नाम पर छात्रवृत्ति राशि का गलत तरीके से लाभ उठाया गया और सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ। इसी मामले में आर्थिक अनियमितताओं की जांच के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की है।

मेरठ और उत्तराखंड की विश्वविद्यालय जांच के घेरे में

जांच के दौरान मेरठ स्थित एक निजी विश्वविद्यालय तथा उत्तराखंड की दो विश्वविद्यालयों का नाम सामने आया है। जांच एजेंसियां संबंधित दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार कुर्क की गई संपत्तियों का संबंध इसी कथित छात्रवृत्ति घोटाले से जोड़ा गया है।

2011 से 2017 के बीच का मामला

जांच का केंद्र वर्ष 2011-12 से 2016-17 के बीच वितरित छात्रवृत्ति राशि है। इस अवधि में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए जारी धनराशि के उपयोग और वितरण की विस्तृत जांच की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। आने वाले दिनों में जांच के आधार पर और भी महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना है।

मेरा युवा भारत वालंटियर चयन प्रक्रिया पर उठे सवाल

सुल्तानपुर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मेरा युवा भारत के अंतर्गत विकास खंड स्तर पर दो-दो वालंटियरों के चयन हेतु आयोजित साक्षात्कार प्रक्रिया को लेकर कुछ अभ्यर्थियों ने चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि चयन प्रक्रिया में योग्य एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाले कुछ उम्मीदवारों को अपेक्षित अवसर नहीं मिल सका।

जानकारी के अनुसार जनपद मुख्यालय पर आयोजित साक्षात्कार में बड़ी संख्या में युवाओं ने प्रतिभाग किया था। कई अभ्यर्थी दूर-दराज क्षेत्रों से साक्षात्कार देने पहुंचे थे। चयन परिणाम घोषित होने के बाद कुछ अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया में निर्धारित मानकों के अनुपालन को लेकर उनके मन में संदेह उत्पन्न हुआ है। कुछ अभ्यर्थियों का दावा है कि साक्षात्कार के दौरान ही चयनित होने वाले संभावित नामों को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। वहीं कुछ अभ्यर्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया पर बाहरी प्रभाव पड़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

लघु उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में बड़े मंगलवार पर हुआ भव्य भंडारा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। ज्येष्ठ मास के पावन बड़े मंगलवार के अवसर पर आरपीएस मानवाधिकार फोरम की ईकाई लघु उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में समाजसेवी व्यापारी संजय मोदनवाल के संयोजन में बस स्टेशन पर श्रद्धापूर्वक तहरी के भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर के सभासद रमेश सिंह टिन्नू, लघु उद्योग व्यापार मंडल के युवा प्रदेश प्रभारी अरविन्द चौरसिया एवं समाजसेवी राजन गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से भगवान श्रीहनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजा-अर्चना कर किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, यात्रियों, राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगलवार के अवसर पर सेवा एवं परोपकार की भावना से यह आयोजन किया गया, जिससे आमजन को प्रसाद वितरण किया जा सके। इस अवसर पर किशोर भटनागर, संजय चौरसिया, नरेंद्र जायसवाल, राजीव सोनकर, श्याम पोपटानी, नारायन चौरसिया, हनुमान चौरसिया, संजय मोदनवाल (लल्लू), चंदन मोदनवाल, संतराम साहू सहित अनेक समाजसेवी व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर भंडारे का आयोजन

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगल के पावन अवसर पर हनुमान मंदिर निकट हनुमत नगर मंडा बरौसा में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा क्षेत्र बजरंगबली के जयकारों से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह प्रभु श्री हनुमान जी के विशेष पूजन-अर्चन और विधि-विधान से सुंदरकांड पाठ के साथ हुई। मधुर भजनों और चौपाइयों ने वहां मौजूद श्रद्धालुओं को भक्ति-रस से सराबोर कर दिया। पाठ के समापन के बाद महाआरती हुई और भगवान को छप्पन भोग लगाकर भंडारे का शुभारंभ किया गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद हजारों भीषण गर्मी के बीच आयोजित इस भंडारे में राहगीरों, क्षेत्रीय नागरिकों और श्रद्धालुओं को पूड़ी-सब्जी, बूंदी और ठंडे पानी का प्रसाद अत्यंत श्रद्धा भाव से वितरित किया गया। सुबह से शुरू हुआ प्रसाद वितरण का यह सिलसिला देर शाम तक अनवरत चलता रहा।

यूपीटेट की तैयारी कर रहे शिक्षकों को नहीं मिलेगा विशेष अवकाश, BSA मेरठ ने किया इन्कार

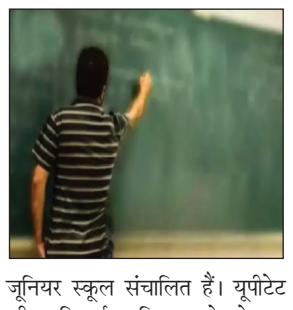

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित सभी प्राथमिक एवं जूनियर स्कूल मंगलवार से ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद खुल गए हैं। वहीं, आगामी 2 से लेकर 4 जुलाई तक अब उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा यानि यूपीटेट परीक्षा-26 का आयोजन किया जा रहा है।

यूपीटेट की अनिवार्यता और परीक्षा के चलते अधिकांश शिक्षक-शिक्षिकाएं परीक्षा में शामिल होने की अनुमति मांगते हुए कई दिनों का विशेष अवकाश की मांग कर रहे हैं । उधर, बीएसए ने आदेश जारी कर दिया है कि यूपीटेट परीक्षा के लिए शिक्षक-शिक्षकों को कोई विशेष अवकाश देय नहीं होगा। इसी के साथ परीक्षा के चलते स्कूल संचालन एवं कार्यों में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है तो दी गई अनुमति स्वतः निरस्त हो जाएगी।

जिले में 1068 प्राथमिक व जूनियर स्कूल संचालित हैं। यूपीटेट की अनिवार्यता किए जाने से इन स्कूलों के अधिकांश शिक्षक-शिक्षिकाएं आगामी 2 से लेकर 4 जुलाई तक होने वाली यूपीटेट परीक्षा में शामिल हो रहे हैं।

अभ्यर्थी किस शहर में परीक्षा देंगे। इसकी जानकारी आगामी 22 जून को मिलेगी। 30 जून को एडमिट कार्ड जारी होने की संभावना है। वहीं, मंगलवार से जिले के सभी प्राथमिक और जूनियर स्कूल ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद खुल गए हैं।

शिक्षक असमंजस में, कैसे करें परीक्षा की तैयारी

स्कूल खुलने और परीक्षा की तैयारी को लेकर जिले के सैकड़ों की संख्या में शिक्षक शिक्षिकाएं असमंजस में हैं। उनकी मुश्किल यह है कि स्कूल खुलने पर अब परीक्षा की तैयारी कैसे करें। इसके लिए बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विशेष अवकाश के लिए बीएसए कार्यालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर दिए हैं।

बड़ी संख्या में आए आवेदन पत्रों को देखते हुए बीएसए आशा चौधरी ने भी परीक्षा में शामिल होने के लिए सशर्त आदेश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है शिक्षक-शिक्षिकाएं विद्यालय अवधि के दौरान परीक्षा की तैयारी नहीं करेंगे।

दूसरे शिक्षक-शिक्षिकाओं को उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी यूपीटेट के लिए विशेष अवकाश भी देय नहीं होगा। बीएसए ने कहा है परीक्षा के चलते स्कूल संचालन एवं कार्यों में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है तो परीक्षा के लिए दी गई अनुमति स्वतः निरस्त हो जाएगी।

पत्नी बनाती थी डांसिंग रील, टोका तो रूठकर चली गई मायके... सदमे में पति ने दे दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के दौर में रील बनाने का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। लेकिन कुछ मामलों में यह शौक परिवारों में कलह और बड़ी तबाही का कारण भी बन रहा है। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले से एक ऐसा ही दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां पत्नी के इंस्टाग्राम पर रील बनाने और डांस वीडियो पोस्ट करने के विवाद के चलते एक पति ने फांसी के फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। इस आत्मघाती कदम के बाद से युवक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

यह दुखद घटना इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गजरामपुर गांव की है। यहां रहने वाले सोहन सिंह यादव ने अपने ही घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह जब परिवार के अन्य सदस्य सोए हुए उठे, तो सोहन सिंह घर में कहीं दिखाई नहीं दिए। काफी देर तक जब उनकी खोजबीन की गई, तो परिजनों ने उनका शव फंदे से लटकता हुआ देखा। शव को देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।

पत्नी के रील बनाने का विरोध करता था पति

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक के परिजनों ने बताया कि सोहन सिंह की शादी पिछले साल 2 जून 2025 को अलीगढ़ जिले के हरनौतापुर गांव की रहने वाली गुंजन के साथ हुई थी। परिजनों का आरोप है कि गुंजन को इंस्टाग्राम पर डांस आदि की वीडियो (रील्स) बनाकर डालने की लत थी, जिसका सोहन सिंह लगातार विरोध करता था। वह नहीं चाहता था कि उसकी पत्नी सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो पोस्ट करे। इसी बात को लेकर शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर कहासुनी और झगड़ा होता रहता था।

मायके जाने के बाद फोन पर हुई बहस और दे दी जान

परिजनों के मुताबिक, लगातार होने वाले विवाद के कारण चार दिन पहले ही गुंजन अपने मायके चली गई थी। इसके बाद रविवार रात को सोहन सिंह की अपनी पत्नी गुंजन से फोन पर बातचीत हुई थी। आरोप है कि फोन पर भी रील बनाने या किसी अन्य बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई। इस बहस से आहत होकर और मानसिक तनाव के चलते सोहन सिंह ने रात में ही फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

खेती-बाड़ी कर संभालता था घर, जांच में जुटी पुलिस

गजरामपुर गांव का रहने वाला सोहन सिंह अपने चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। वह गांव में ही खेती-बाड़ी करके घर की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था और पूरे परिवार का बड़ा सहारा था। महज एक साल पहले हुई शादी के बाद युवक की इस तरह अचानक हुई मौत से पूरा परिवार गहरे सदमे और मातम में डूबा हुआ है। बिल्सी के क्षेत्राधिकारी (CO) केके तिवारी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि एक युवक द्वारा घर में फंदा लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस इस मामले की हर एंगल से गहनता से जांच-पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों से मिलने वाली तहरीर (शिकायत) के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

समाज हित और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए वरिष्ठ पत्रकार गण सम्मानित

सुल्तानपुर। पत्रकारिता के क्षेत्र में समाजहित, जनजागरूकता और निष्पक्ष समाचार प्रस्तुति के लिए वरिष्ठ पत्रकार इम्तियाज रिजवी, फरीद अहमद अर्शी, विजय प्रकाश तिवारी, राकेश शर्मा, शरद श्रीवास्तव, विजयधर पाठक, आर. के मौर्या और रामराज पाण्डेय को सम्मानित किया गया। यह सम्मान जर्नीलिस्ट कौंसिल ऑफ इंडिया की ओर से प्रदान किया गया।

संगठन के मंडल सचिव नीरज तिवारी तथा जिलाप्रभारी रामानंद मिश्रा ने वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मान पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की और कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जागरूक, उत्तरदायी और सकारात्मक दिशा देने का सशक्त मंच है। सम्मानित होने के पश्चात पत्रकारों ने अपने कार्यों के माध्यम से जनसरोकारों को प्रमुखता देते हुए सामाजिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया है। जिससे आमजन

मेडिकल कालेज में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का सफल आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, सुल्तानपुर में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विकसित भारत के निर्माण में जनभागीदारी, युवाओं की भूमिका तथा स्वास्थ्य क्षेत्र के योगदान पर विचार-विमर्श करना था। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के माननीय प्रधानाचार्य डॉ. प्रियंक वर्मा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य, के.एन.आई.पी.एस.एस. डॉ. राधेश्याम सिंह रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता पर बल दिया तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित में सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया। संस्थान के पूर्व प्राचार्य प्रो. डॉ. सलिल श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों एवं चिकित्सा समुदाय को राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। वहीं प्रो. डॉ. आशीष बनर्जी ने विकसित भारत के निर्माण में समाज एवं चिकित्सा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन डॉ. सौम्या सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. राजीव मौर्य, डॉ. सुशील गुप्ता, डॉ. शालिनी सिंह सहित अन्य रेजिडेंट चिकित्सक एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. ज्योत्सना अग्रवाल, सहायक आचार्य, दंत चिकित्सा विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजन समिति, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बच्चों में लर्निंग गैप खत्म करने का मेगा प्लान, पूरे राज्य में चलेगा 15 दिनों का कैच-अप शिक्षण अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा सुधार के मकसद से अब बच्चों के सीखने के अंतराल (लर्निंग गैप) को समाप्त करने के लिए प्रदेशव्यापी कैच-अप शिक्षण अभियान शुरू करने जा रही है। निपुण भारत मिशन के माध्यम से आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान को मजबूत करने के बाद सरकार का फोकस अब उन विद्यार्थियों तक पहुंचने पर है, जो किसी कारणवश अपेक्षित अधिगम स्तर से पीछे रह गए हैं। इसी उद्देश्य से जुलाई 2026 में सभी विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय पुनरावृत्ति शिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा, जबकि अगस्त 2026 से जनवरी 2027 तक विद्यालयों में प्रतिदिन 20 से 30 मिनट का विशेष कैच-अप शिक्षण सत्र आयोजित होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और एनसीएफएसई-2023 की भावना के अनुरूप तैयार की गई इस कार्ययोजना का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी सीखने की आवश्यकता के अनुसार शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराना है। योगी सरकार का मानना है कि यदि समय रहते अधिगम अंतराल को दूर नहीं किया गया तो बच्चों की आगे की शैक्षणिक प्रगति प्रभावित हो सकती है। इसलिए विद्यालय स्तर पर सुनियोजित, व्यवस्थित और परिणामोन्मुखी रणनीति लागू की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में शिक्षा सुधार अब नामांकन और आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ बच्चों के वास्तविक अधिगम परिणामों पर केंद्रित हो चुका है। निपुण भारत मिशन, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल अनुश्रवण और अब कैच-अप शिक्षण अभियान के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है कि कोई भी बच्चा सीखने की दौड़ में पीछे न रह जाए। यह पहल गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और परिणामोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

त्रुटि विश्लेषण और पीयर लर्निंग पर रहेगा जोर

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की कठिनाइयों की पहचान कर उनका समाधान किया जाएगा। त्रुटि विश्लेषण के माध्यम से यह समझा जाएगा कि बच्चे कहां और क्यों पिछड़ रहे हैं। मैं करूं-हम करें-तुम करो रणनीति, पीयर लर्निंग, पेयर लर्निंग और कोऑपरेटिव लर्निंग जैसी पद्धतियों का उपयोग कर बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग और समस्या समाधान क्षमता विकसित की जाएगी। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी विद्यार्थी स्वयं को कमजोर या उपेक्षित महसूस न करे।

आकलन, अनुश्रवण और अभिभावक सहभागिता

कार्यक्रम को परिणाममुखी बनाने के लिए विद्यार्थियों का बेसलाइन और एंडलाइन आकलन किया जाएगा तथा उनकी प्रगति का नियमित अभिलेखीकरण किया जाएगा। एआरपी, एसआरजी, डायट मेंटर और खंड शिक्षा अधिकारी समय-समय पर कार्यक्रम की समीक्षा करेंगे। वहीं विद्यालय प्रबंधन समिति और अभिभावकों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा, ताकि बच्चों को विद्यालय और घर दोनों स्थानों पर सीखने के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके।

सुंदरकांड का पाठ और भंडारा आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। खरगापुर में बड़े मंगल पर राष्ट्रीय सनातन संघ की ओर से सुंदरकांड का पाठ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना, भाजपा प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव, चित्रांश महासभा के संजीव सक्सेना, विनोद कुमार श्रीवास्तव, विमलेश श्रीवास्तव, आलोक मिश्रा, सरिता प्रवाह के संपादक राजेश श्रीवास्तव समेत तमाम गण मन अतिथियों ने भाग लिया । इस अवसर पर मंडली द्वारा सुंदरकांड का पाठ किया गया और पूरी-सब्जी, कढ़ी-चावल और बूंदी का प्रसाद वितरण किया गया जबकि बच्चों को फ्रूटी भी बांटी गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय सनातन संघ के अध्यक्ष दिनेश खरे ने कहा कि भंडारा पिछले पांच वर्षों से हो रहा है।

पूर्वांचल को मिलेगी नई रेल सौगात, 19 जून से शुरू होंगी कई महत्वपूर्ण ट्रेन सेवाएं : ए.के. शर्मा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा है कि मऊ, मधुबन और पूरे पूर्वांचल क्षेत्र की रेल सुविधाओं को मजबूत और जनोपयोगी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराने तथा यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि के उद्देश्य से केंद्र सरकार और रेलवे मंत्रालय के साथ लगातार समन्वय स्थापित किया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं।मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि उन्होंने हाल ही में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष पूर्वांचल की रेल सेवाओं के विस्तार और नई सुविधाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे थे। अप्रैल माह में दोहरीघाट में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान रेल मंत्री के ऑनलाइन संबोधन में जिन रेल परियोजनाओं और सेवाओं पर चर्चा हुई थी, उन्हें अब अमलीजामा पहनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया गया है।उन्होंने कहा कि पूर्वांचल की जनता को जल्द ही कई महत्वपूर्ण रेल सुविधाओं का लाभ मिलने जा रहा है। इसके तहत दोहरीघाट-औंड़िहार नई मेमू ट्रेन का संचालन वाराणसी तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को वाराणसी तक सीधी और सुविधाजनक यात्रा का अवसर मिलेगा। इसके अलावा मऊ से आनंद विहार (दिल्ली) के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन का नियमित संचालन प्रारंभ किया जाएगा, जिससे दिल्ली जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।ए.के. शर्मा ने बताया कि छपरा-आनंद विहार सुपरफास्ट ट्रेन का संचालन भी मऊ के रास्ते किया जाएगा। इससे पूर्वांचल के लोगों को राजधानी दिल्ली तक पहुंचने के लिए एक नया और बेहतर रेल विकल्प उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं से न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक और व्यापारिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

बड़े मंगल पर सेवा, श्रद्धा और समरसता के रंग में रंगीं महापौर सुषमा खर्कवाल, विभिन्न भंडारों में किया प्रसाद वितरण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ज्येष्ठ माह के पावन बड़े मंगल के अवसर पर राजधानी लखनऊ में आस्था, सेवा और जनकल्याण का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों, सुंदरकांड पाठ और विशाल भंडारों में सहभागिता करते हुए भगवान हनुमान के चरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उन्होंने प्रदेश एवं लखनऊवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए बड़े मंगल की परंपरा को लखनऊ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक बताया।

महापौर ने अपने कार्यक्रमों की शुरुआत ला मार्टिनियर बॉयज़ कॉलेज के गेट संख्या-4 पर आयोजित ज्येष्ठ माह के सातवें बड़े मंगल के विशाल भंडारे से की। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि धार्मिक एवं सेवा भावना से जुड़े ऐसे आयोजन समाज में सामाजिक समरसता, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने आयोजन के सफल संचालन के लिए कॉलेज प्रशासन और कर्मचारियों को शुभकामनाएं भी दीं।इसके बाद महापौर आवास विकास पार्किंग क्षेत्र स्थित पंचवटी स्वीट्स के सामने भूतनाथ मार्केट सर्राफा एसोसिएशन द्वारा आयोजित विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम में पहुंचीं। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद वितरित किया और कहा कि बड़े मंगल की परंपरा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह समाज में सेवा और सद्भाव का संदेश देने वाली अनूठी परंपरा भी है। उन्होंने आयोजन समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।गोमती नगर के विजयंत खंड में आयोजित भंडारा कार्यक्रम में भी महापौर ने सक्रिय सहभागिता निभाई। उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित करते हुए कहा कि बड़े मंगल का पर्व लोगों को एक-दूसरे की सहायता करने और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर उन्होंने आयोजनकर्ता सोहन नेगी तथा मोक्ष एडवरटाइजिंग एंड इवेंट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की टीम को शुभकामनाएं दीं।हजरतगंज स्थित दक्षिणमुखी श्री हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित विशाल भंडारे में भी महापौर शामिल हुईं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही एवं उनके परिवार की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने भगवान हनुमान का पूजन-अर्चन कर प्रदेश और देशवासियों के कल्याण की कामना की। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख भी उपस्थित रहे।महापौर ने हजरतगंज स्थित एलआईसी मंडल कार्यालय में आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं भंडारा कार्यक्रम में भी भाग लिया। यहां उन्होंने प्रभु श्रीराम और संकटमोचन हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा एलआईसी परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बड़े मंगल की परंपरा समाज में सेवा, सद्भाव और सहयोग की भावना को सशक्त बनाने का कार्य करती है।इसके अतिरिक्त बालाकदर रोड स्थित नगर निगम कार्यालय परिसर में केंद्रीय कार्यशाला एवं आर.आर. कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित सुंदरकांड पाठ और विशाल भंडारे में भी महापौर ने सहभागिता की।

सुंदरकांड का पाठ और भंडारा आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं और चढ़ावे के धन के दुरुपयोग के आरोपों को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भगवान राम और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है तथा इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।अजय राय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्षों तक भगवान राम के नाम पर देशभर में आस्था का माहौल बनाया, लेकिन अब उसी आस्था के साथ छल किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर से जुड़े मामलों में जो अनियमितताएं सामने आ रही हैं, वे किसी छोटे कर्मचारी या निचले स्तर के व्यक्ति का कार्य नहीं, बल्कि एक संगठित तंत्र द्वारा की गई कथित लूट का परिणाम हैं।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब स्वयं सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर जांच शुरू की है तो इससे यह स्पष्ट होता है कि कहीं न कहीं गंभीर गड़बड़ियां हुई हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के शीर्ष पदों पर ऐसे लोग नियुक्त हैं जिनका सीधा संबंध केंद्र सरकार और भाजपा की विचारधारा से है। इसलिए इस पूरे मामले की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।अजय राय ने आरोप लगाया कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान देशभर से श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए चंदे का पूरा हिसाब आज तक सार्वजनिक नहीं किया गया।

फर्जी आईपीएस बनकर पुलिस को धमकाने वाला शातिर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में स्वयं को आईपीएस अधिकारी बताकर लोगों और पुलिसकर्मियों पर रौब गांठने वाले एक शातिर युवक को थाना महानगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी न केवल चाय दुकानदार से विवाद कर रहा था, बल्कि पुलिस टीम को भी धमकाते हुए खुद को नोएडा में तैनात आईपीएस अधिकारी बताकर सलामी न देने पर सवाल उठा रहा था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार 13 जून 2026 की रात थाना महानगर क्षेत्र के गोल मार्केट चौराहे पर स्थित एक चाय की दुकान पर चाय और बंद (बन) के पैसे को लेकर एक व्यक्ति का दुकानदार से विवाद होने की सूचना मिली थी। सूचना पर रात्रि अधिकारी उपनिरीक्षक आर्यन शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहां एक व्यक्ति चाय दुकानदार वीरू गुप्ता से बहस करता मिला।पुलिस ने जब उससे नाम और पता पूछते हुए शांत रहने को कहा तो वह पुलिसकर्मियों पर ही रौब झाड़ने लगा। उसने खुद को नोएडा का आईपीएस अधिकारी बताते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों ने उसे सलामी क्यों नहीं दी और उनकी कैप कहां है। उसके व्यवहार और दावों पर संदेह होने पर पुलिस ने उससे पहचान पत्र दिखाने को कहा, लेकिन वह कोई पहचान पत्र नहीं दिखा सका और यह कहकर वहां से चला गया कि वह बाद में आई-कार्ड लाकर दिखाएगा।इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई। 15 जून को फिर सूचना मिली कि वही व्यक्ति दोबारा गोल मार्केट चौराहे पर चाय की दुकान पर विवाद कर रहा है। मौके पर भारी भीड़ एकत्र हो गई थी। पुलिस ने तत्काल उसे हिरासत में लेकर थाना महानगर लाकर पूछताछ की।कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी की असलियत सामने आ गई। उसने अपना नाम मिथिलेश शुक्ला पुत्र स्वर्गीय रामबरन शुक्ला निवासी भरतनगर, सीतापुर रोड, थाना मड़ियांव, लखनऊ बताया। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह नोएडा के सेक्टर-18 स्थित सैमसंग कंपनी में अकाउंट एग्जीक्यूटिव के पद पर कार्यरत है और कोई आईपीएस अधिकारी नहीं है।जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने स्वयं को फर्जी आईपीएस अधिकारी बताकर पुलिसकर्मियों को धमकाया और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की।

बीकेटी हाईवे पर पांच लाख रुपये की लूट का खुलासा, तीन शातिर गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त कार बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बख्शी का तालाब क्षेत्र में दिनदहाड़े पांच लाख रुपये की लूट की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, मोबाइल फोन, पर्स तथा अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है और लूटी गई धनराशि की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।पुलिस के अनुसार 11 जून 2026 को थाना बख्शी का तालाब क्षेत्र में बाजार से आगे तथा किसान पथ से पहले एक वाहन को ओवरटेक कर अज्ञात बदमाशों ने असलहे के बल पर पांच लाख रुपये से भरा बैग लूट लिया था। घटना के दौरान बदमाशों ने फायरिंग भी की थी, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।इस संबंध में डालीगंज निवासी राकेश कुमार अग्रवाल की तहरीर पर थाना बीकेटी में मुकदमा संख्या 226/2026 धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की कई टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर 15 जून को थाना बीकेटी पुलिस ने संसारपुर अंडरपास के नीचे से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने लूट की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया था।

मॉर्निंग वॉक पर निकली नाबालिग का अपहरण, गोमतीनगर पुलिस ने दो दिन में किया सकुशल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर क्षेत्र से मॉर्निंग वॉक के दौरान लापता हुई एक नाबालिग किशोरी को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ अपहरण के साथ-साथ दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।पुलिस के अनुसार 13 जून 2026 को एक व्यक्ति ने थाना गोमतीनगर में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी नाबालिग पुत्री सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा काफी तलाश किए जाने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना गोमतीनगर में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा संख्या 231/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच उपनिरीक्षक पंकज कुमार राय को सौंपी गई।नाबालिग के लापता होने की सूचना मिलते ही गोमतीनगर पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर तलाश अभियान चलाया, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से लगातार जानकारी जुटाई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस द्वारा नाबालिग की सकुशल बरामदगी को प्राथमिकता देते हुए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।इसी क्रम में 15 जून को उपनिरीक्षक पंकज कुमार राय, उपनिरीक्षक सचिन केसरवानी तथा महिला पुलिसकर्मी हुसड़िया चौराहे के पास गश्त और पिकेट ड्यूटी पर मौजूद थे। तभी मुखबिर से सूचना मिली कि मामले से संबंधित आरोपी बेलहा गांव रोड स्थित शहीद पथ पुल के नीचे मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी रवि कौशल को गिरफ्तार कर लिया तथा उसके कब्जे से नाबालिग पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान रवि कौशल पुत्र कामता प्रसाद निवासी जहांगीराबाद, जनपद बाराबंकी के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 24 वर्ष बताई गई है।पुलिस द्वारा की गई विवेचना और उपलब्ध साक्ष्यों के परीक्षण के दौरान मामले में गंभीर तथ्य सामने आए। इसके आधार पर दर्ज मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(1) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4 की बढ़ोत्तरी की गई है। पुलिस अब मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

महानगर पुलिस के हत्थे चढ़े बाइक चोर, चोरी की पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद, एक आरोपी पर 24 मुकदमे दर्ज

लखनऊ। राजधानी के महानगर क्षेत्र से चोरी हुई मोटरसाइकिल के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक शातिर अपराधी निकला, जिसके खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, गैंगस्टर और अन्य गंभीर अपराधों के कुल 24 मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार इरसाद अहमद ने थाना महानगर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मोटरसाइकिल संख्या यूपी-32 जेबी-8773 (पैशन प्रो) 18 फरवरी 2026 को गजल आइसक्रीम के सामने स्थित दारू वाली गली से चोरी हो गई थी। मामले में थाना महानगर में मुकदमा संख्या 102/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

बीबीएयू में वर्मी-कम्पोस्टिंग स्टेशन का शुभारंभ, 'शून्य अपशिष्ट परिसर' बनाने की दिशा में बढ़ा कदम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कम्पोस्टिंग एवं वर्मी-कम्पोस्टिंग स्टेशन का शुभारंभ किया गया। पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं नवकल्पना प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने ग्रीन हाउस के पीछे स्थापित इस इकाई का फीता काटकर उद्घाटन किया। यह पहल पर्यावरण विज्ञान विभाग की शोधार्थी रोशिनी बजाज द्वारा डॉ. जीवन सिंह और प्रो. शिखा के मार्गदर्शन में विकसित की गई है।उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने इस परियोजना की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल एक पर्यावरणीय पहल नहीं, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को भविष्य में व्यावसायिक स्तर तक विस्तारित किया जाना चाहिए, ताकि इसके उत्पादों को बाजार तक पहुंचाया जा सके और इसे सतत उद्यमिता का सफल मॉडल बनाया जा सके। उन्होंने शोधार्थी रोशिनी बजाज के प्रयासों को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि सीमित संसाधनों में भी दृढ़ इच्छाशक्ति, समर्पण और नवाचारी सोच के बल पर बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान रोशिनी बजाज ने वर्मी-कम्पोस्टिंग इकाई में तैयार की गई जैविक खाद का नमूना कुलपति को भेंट किया। कुलपति ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों से नवाचार आधारित स्टार्टअप विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर और रोजगार सृजनकर्ता बनाना भी है। उन्होंने कहा कि यदि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और शोधार्थी इसी प्रकार नवाचार आधारित उद्यम स्थापित करते हैं तो यह संस्थान की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत करेगा।विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित इस वर्मी-कम्पोस्टिंग स्टेशन में प्रारंभिक चरण में चार सीमेंटेड कम्पोस्टिंग एवं वर्मी-कम्पोस्टिंग बिन, एक बाँस आधारित वर्मी-रिएक्टर, दो उच्च गति वाले रोटरी ड्रम कम्पोस्टर तथा दस एजीटेटेड पाइल्स अथवा विंडरो की व्यवस्था की गई है। वर्तमान में लगभग दो हजार किलोग्राम पत्तियों के अपशिष्ट को परिपक्वता प्रक्रिया के माध्यम से जैविक खाद में परिवर्तित किया जा रहा है।लगभग 250 एकड़ में फैले बीबीएयू परिसर में प्रतिवर्ष करीब 10 हजार किलोग्राम पत्ती अपशिष्ट उत्पन्न होता है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य इन जैविक अवशेषों का वैज्ञानिक प्रबंधन करते हुए उन्हें उपयोगी वर्मी खाद में बदलना तथा विश्वविद्यालय को "शून्य अपशिष्ट परिसर" के रूप में विकसित करना है।

एस आई आर पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला, नागरिकता भी खतरे में

पूरे देश में चुनाव आयोग द्वारा कराई जा रही मतदाता सूची विशेष गहन परीक्षण (एस आई आर) को सर्वोच्च न्यायालय ने वैध ठहराया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नेतृत्व वाली छह जजों की संविधान पीठ ने चुनाव आयोग को हरी झंडी दे दी है। फैसले में कहा गया है कि जनप्रतिनत्व अधिनियम 1951की अनुच्छेद आठ ए के अनुसार मतदाता सूची में संशोधन करने का अधिकार भारत के निर्वाचन आयोग को है। निर्वाचन आयोग का क्षेत्राधिकार है। सी जे आई सूर्यकांत ने सी ए ए (नागरिकता) मसले पर कहा कि मतदाता सूची के साथ साथ नागरिकता संशोधन बिल को क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार एक प्राधिकरण बनाए और यह प्राधिकरण तय करेंगे कि किसकी नागरिकता बैद्य है । उन्होंने कहा है कि नागरिकता तय करने का अधिकार भारत के गृह मंत्रालय को है ।

उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व एस आई आर पर एक जनहित याचिका योगेंद्र यादव द्वारा दायर की गई थी और इस मुद्दे पर कांग्रेस, टीएमसी डीएमके,ने बड़ी आपत्ति जताई थी क्योंकि बिहार से 64 लाख मतदाता सूची से नाम पृथक किए गए थे हालांकि इनमें से अधिकतर वे लोग थे जो या तो दूसरे स्थान पर चले गए थे तो मृत हो चुके थे। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी थे जो देश के नागरिक ही थे और उन्होंने बड़ी संख्या में असम,बिहार, पश्चिमी बंगाल, पूर्वोत्तर राज्यों में घुसपैठ कर बांग्लादेश, म्यांमार,से आए हैं। एस आई आर में पश्चिमी बंगाल में एक करोड़, उत्तर प्रदेश में दो करोड़,असम में 63 लाख, सहित सभी राज्यों मप्र, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना,में पचास, पचास लाख से अधिक मतदाता सूची से पृथक हुए।नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व वोट चोरी यात्रा भी निकाली थी।डीएमके के स्टालिन ने और पश्चिमी बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता ने तो आसमान सिर पर उठा लिया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह पर मुस्लिमों को मतदाता सूची से नाम पृथक करने आरोप जड़ दिये थे । निर्वाचन आयोग के मुख्य आयुक ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग का नोटिस भी विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को दिया है।

तमाम मीडिया ट्रायल में योगेंद्र यादव, आशुतोष, पुण्य प्रशनुन वाजपेई, रविश कुमार, और भी कई सौ अधिक प्रेस कलाकारों ने बंगाल विधानसभा चुनाव, बिहार विधानसभा चुनाव असम विधानसभा चुनाव में एस आई आर पर बिना सोचे समझे प्रश्न खड़े कर दिए थे बल्कि इनकी देख देखी जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई थी।

भारतीय जनता पार्टी को कई आरोपों का सामना करना पड़ा लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के इस संदेश से कम से कम उन लोगों भ्रम दूर हो जाएगा। राजनीतिक लोग विशेष कर तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस,सपा, डीएमके,के नेताओं को विधानसभा चुनाव निष्पक्ष चश्मे से देखने का संदेश दे दिया है। अगर आज सर्वोच्च न्यायालय अगर यह फैसला नहीं देता तो बिहार विधानसभा चुनाव,बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, पांडिचेरी हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र,के चुनावों पर पश्न चिन्ह लग जाता था।

जहां तक प्रश्न सी ए ए नागरिकता का है सर्वोच्च न्यायालय ने अभी गेंद भारत सरकार की ओर फेंक दी है। रिटायर्ड जज, नौकरशाह, पूर्व चुनाव आयुक्त की कमेटी तय करेंगे कि नागरिकता तय करने के कौन कौन से नियम होगे । फैसले में नेशनल सिटीजन रजिस्टर बनाने की प्रक्रिया को भी तेज करने के आदेश केंद्रीय गृह मंत्रालय को दिए हैं। भारत सॉलिसिटर जनरल ने सर्वोच्च न्यायालय से एक माह का समय मांगा है। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि सरकार अब नागरिकता को लेकर सतर्क है।जिन लोगों को मतदाता सूची से पृथक किया गया है उनकी नागरिकता समाप्त होने के अंदेशा है। क्योंकि गृह मंत्रालय को एनआरसी बनाना है।दरअसल इस देश आजादी बाद से नागरिकता, घुसपैठ, चकमा घुसपैठ,पर कभी कोई ध्यान नहीं दिया बल्कि कांग्रेस,ने असम, पश्चिमी बंगाल,बिहार दिल्ली में घुसपैठियों को बसाया और अब 15 वर्ष पहले इनको वोट की खातिर वोटर लिस्ट में शामिल किया और वोटिंग कार्ड, आधार कार्ड मुहैया करवाने का काम किया।बताया जाता है कि तीन करोड़ अवैध नागरिक है पूरे देश में जिसमें एक करोड़ तो बंगाल में ही हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि मतदाता सूचियों के साथ साथ, नागरिकता संशोधन भी हो । सरकार के समक्ष परमानेंट राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एन आर सी) हो जिससे नीति आयोग को पूरे देश में योजनाओं को लागू करना सुविधा जनक हो। स्व चलित मतदाता सूची हो जन्म और मृत्यु का पंजीयन हो । नागरिक की आयु 18 वर्ष होने पर स्वत ही मतदाता बन जाए।

खाद्य हानि से खाद्य नेतृत्व की ओर: दक्षिण एशिया के लिए अगला बड़ा अवसर है खाद्य प्रसंस्करण

दशकों से कृषि नीतियों का मुख्य उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है। इस प्रयास ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाएं हैं।

चिराग पासवान

दक्षिण एशिया खाद्य प्रणालियों की अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। समृद्ध कृषि-जैव विविधता वाला एक प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, खेत से उपभोक्ता तक पहुँचने की प्रक्रिया में अभी तक बहुत अधिक मूल्य नष्ट हो जाता है—जो किसानों, रोजगार और पोषण के लिए एक चूका हुआ अवसर है।

भारत इस विरोधाभास का स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत दूध और दालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक तथा फल और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके बावजूद, कटाई के बाद की प्रक्रियाओं, भंडारण, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण में मौजूद कमियों के कारण खाद्य पदार्थों की बड़ी मात्रा में हानि होती रहती है। इससे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) सहित वैश्विक विकास प्राथमिकताओं की दिशा में होने वाली प्रगति प्रभावित होती है। यह केवल अक्षमता भर नहीं है, बल्कि चूका हुआ अवसर भी है। बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थों का प्रत्येक टन, किसानों की खोई हुई आमदनी, युवाओं के लिए खोए हुए रोजगार के अवसर और परिवारों के लिए खोए हुए पोषण का प्रतीक है। इसलिए, इस हानि को मूल्य में बदलना अब एक क्षेत्रीय प्राथमिकता बन जाना चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण मूल्यवर्धित कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी है। यह खेतों को बाजारों से, किसानों को उद्योगों से तथा स्थानीय उत्पादन को क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ता है। इस प्रकार, यह कृषि और व्यापक आर्थिक परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है।

दशकों से कृषि नीतियों का मुख्य उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है। इस प्रयास ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाएं हैं। लेकिन अब अगले चरण में मूल्य सृजन, रोजगार के अवसरों के सृजन, किसानों की आय में वृद्धि और पोषण संबंधी परिणाम बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत में, वर्तमान में कृषि उपज का केवल लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्कृत किया जाता है। क्षेत्र की पूर्ण आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 2030 तक लगभग 25 प्रतिशत करना आवश्यक है। साथ ही, कटाई के बाद होने वाली खाद्य हानियों को कम करना और प्रसंस्करण से जुड़े तंत्रों को मजबूत बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, ताकि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक मूल्य बना रहे। खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों की भंडारण अवधि बढ़ाता है, खाद्य सुरक्षा में सुधार करता है तथा नए और घरेलू निर्यात बाजारों तक पहुँच के अवसर प्रदान करता है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आर्थिक मूल्य के बड़े हिस्से को उत्पादक देशों के भीतर ही बनाए रखने में मदद करता है, जिससे किसानों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

इस परिवर्तन को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक चरण —उत्पादन और संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित करने में समन्वित निवेश की आवश्यकता होगी। गुणवत्ता, सुरक्षा, ट्रेसबिलिटी तथा लागत-प्रभावशीलता के प्रति उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अधिक एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य होगा। दक्षिण एशिया की समृद्ध कृषि-जैव विविधता उच्च मूल्य वाले उत्पादों के विकास की अपार संभावनाएँ प्रदान करती है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक मांग अधिक विविधतापूर्ण, पौष्टिक और विशिष्ट खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रही है। साथ ही, डिजिटल समाधान ट्रेसबिलिटी को मजबूत करने, गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने और लगातार जटिल होते वैश्विक बाज़ारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसमें सार्वजनिक निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन इसे निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। निवेश को बड़े पैमाने पर आकर्षित करने के लिए व्यावसायिक वातावरण को मजबूत बनाना, जोखिमों को कम करना तथा प्रभावी सार्वजनिक-निजी साझेदारी को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत ने इस दिशा में पहले ही प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना तथा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए ज़रूरी कदम उठाए हैं। ये कदम बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार करने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिससे अधिक गतिशील, प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के लिए नींव रखी जा रही है। खाद्य प्रसंस्करण केवल आर्थिक दक्षता के बारे में ही नहीं है—यह आजीविका से भी जुड़ा हुआ है।

पूरे दक्षिण एशिया में लाखों युवा हर वर्ष श्रम बाज़ार में प्रवेश करते हैं, जबकि कृषि क्षेत्र अकेले अब इस बढ़ती हुई श्रम शक्ति को समाहित करने में सक्षम नहीं है। ऐसे में खाद्य प्रसंस्करण एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है।

उत्पादन केंद्रों के निकट उद्योगों की स्थापना करके यह लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, खाद्य प्रौद्योगिकी और संबंधित सेवाओं के क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत रोजगार सृजित करता है। साथ ही, यह उद्यमिता के नए अवसर भी प्रदान करता है, जिससे सूक्ष्म और लघु उद्यमों को बढ़ने, औपचारिक बनने और आधुनिक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

यही इस क्षेत्र की वास्तविक संभावनाएँ निहित हैं— केवल खाद्य में मूल्य जोड़ने में नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर सार्थक रोजगार सृजित करने में, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में तथा महिलाओं और युवाओं के लिए । भारत के प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है, जो वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। जिस प्रकार नए व्यापार समझौते बाज़ार के अवसर उत्पन्न कर रहे हैं, ऐसे में अब ध्यान कच्चे कृषि उत्पादों के निर्यात से हटकर उच्च मूल्य वाले प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात की ओर केंद्रित होना चाहिए। वैश्विक उपभोक्ता अब ऐसे खाद्य पदार्थों की अधिक मांग कर रहे हैं जो सुरक्षित, पौष्टिक, ट्रेस करने योग्य और सतत रूप से उत्पादित हों। इससे गुणवत्ता, मानकों और नवाचार का महत्व और बढ़ जाता है—ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत अपनी क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है।

इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए तकनीक, गुणवत्ता अवसंरचना, ट्रेसबिलिटी प्रणालियों और ब्रांडिंग में और अधिक निवेश करना आवश्यक होगा। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण उत्पादकों और उद्यमों को मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठने और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में सक्षम बनाएगा। खाद्य प्रणालियों का रूपांतरण भी स्थिर और लचीला होना चाहिए। खाद्य हानि को कम करना भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव घटाने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। साथ ही, अपशिष्ट मूल्यवर्धन- अर्थात कृषि उप-उत्पादों को नए उत्पादों में बदलने की दिशा में रहे नवाचार भी नए आर्थिक अवसरों को जन्म दे रहे हैं और पर्यावरणीय प्रभाव को भी कम कर रहे हैं।

टिप्पणी

निवेशकों के घटते भरोसे

पिछले वित्त वर्ष में सिर्फ एक महीना युद्ध से प्रभावित था। बाकी समय जो हुआ, उससे साफ है कि समस्या की जड़ें निवेश के नए ट्रेंड और भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेशकों के घटते भरोसे से है। डॉलर बचाने के लिए सरकारी हलकों में क्यों इतनी बेचैनी फैली है, इसका राज़ भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक 2025-26 में भारत का भुगतान संतुलन 30.8 बिलियन डॉलर घाटे में रहा। सरल भाषा में इसका अर्थ है कि गुजरे वित्त वर्ष में भारत में जितना डॉलर आया, उससे 30.8 बिलियन अधिक डॉलर बाहर गया। ऐसा पूंजीगत खाते पर बढ़े दबाव के कारण हुआ। 2023-24 में विदेशी निवेश, विदेशी ऋण, संपत्ति हस्तांतरण आदि के जरिए 89.4 बिलियन डॉलर भारत आए थे। इस कारण चालू खाते के लगभग 27 बिलियन डॉलर के घाटे के बावजूद भुगतान संतुलन 63.7 बिलियन डॉलर लाभ में रहा।

2024-25 में पूंजीगत खाते में सिर्फ 16.6 बिलियन डॉलर का लाभ रहा। इस कारण भुगतान संतुलन तकरीबन 13 बिलियन डॉलर माइनस में चला गया। 2025-26 में पूंजीगत खाते में लाभ सिर्फ सात करोड़ 20 लाख डॉलर का रहा। उधर चालू खाते में घाटा बढ़ा। नतीजतन, भुगतान संतुलन का घाटा बढ़ गया। इससे साफ है कि पिछले दो वित्त वर्षों में भारत में डॉलर आने की दर तेजी से गिरी है। अतः इस समय जो संकट आया है, उसका कारण सिर्फ ईरान युद्ध नहीं है। पिछले वित्त वर्ष में सिर्फ एक महीना (मार्च) युद्ध से प्रभावित था।

बाकी महीनों में जो हुआ, उससे पुष्टि होती है कि ना सिर्फ विदेशी निवेश का आना कम हो गया है, बल्कि विदेशी निवेशक बड़ी मात्रा में भारत से अपना धन निकाल ले गए हैं। 2025-26 में उन्होंने जितना निवेश भारत में किया, उससे 4.3 बिलियन अधिक डॉलर वे यहां से बाहर ले गए। उधर भारतवासियों में विदेश में अपने धन के निवेश बढ़ा ट्रेंड है। सोने के आयात में तेज बढ़ोतरी और युद्ध शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल/ गैस तथा अन्य आयातित वस्तुओं की कीमत में उछाल से समस्या और गहरा गई है। अतः युद्ध खत्म होने से कुछ राहत मिलेगी, लेकिन बुनियादी दिक्कतें दूर नहीं होंगी। उनकी जड़ें निवेश के नए ट्रेंड और भारतीय अर्थव्यवस्था में घटते भरोसे से है। फिलहाल, ऐसा नहीं लगता कि सरकार के पास इसके समाधान की अंतर्दृष्टि है।

ब्लॉग

नए भारत के दिल की धड़कनों में बसते हैं बिरसा

श्रीमती रंजना चोपड़ा

भारत जब अपने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों को याद करता है तब छोटानागपुर के जंगलों से एक नाम अपनी दृढ़ नैतिक ताकत के साथ उभरता है। यह नाम भगवान बिरसा मुंडा का है जिन्हें 'धरती आबा यानी भूमि के रक्षक के रूप में पूजा जाता है। वह एक ऐतिहासिक हस्ती से आगे बढ़ कर गरिमा, प्रतिरोध और जनजातीय आत्मसम्मान के जीवंत प्रतीक भी हैं। उनकी सोच थी कि जनजातीय पहचान की रक्षा की जाए, समानता सार्थक हो और विकास आम जन तक न्याय के साथ पहुंचे। उनका यह सिद्धांत अब भी विकसित भारत की ओर देश की यात्रा को निर्देशित करता है। राष्ट्र ने पिछले 12 वर्षों में समावेशी विकास पर नए सिरे से बल दिया है। बिरसा मुंडा के सिद्धांत आज भी नए भारत की नीतियों, शासन और आकांक्षाओं को आकार दे रहे हैं।

विरासत को मिला उसका सही स्थान

भगवान बिरसा मुंडा की विरासत देश भर में जनजातीय समुदायों के गीतों, आख्यानों, सामूहिक यादों में लंबे समय से जिंदा है। माननीय प्रधानमंत्री ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्म दिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर उनकी विरासत को राष्ट्रीय मान्यता दी। इस मान्यता को और गहराई देते हुए बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया गया। इस दौरान जनजातीय गौरव और विरासत के जश्न में समूचे राष्ट्र में 2 लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनकी पहुंच 3 करोड़ से अधिक नागरिकों तक रही।

देश भर में, इन आयोजनों ने जनजातीय जीवन की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित किया। नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव और केरल के जनजातीय साहित्यिक महोत्सव से लेकर, झारखंड के राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव और तेलंगाना की कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप (डोंगी चालन प्रतियोगिता) तक, इन कार्यक्रमों ने जनजातीय संस्कृति, रचनात्मकता, खेल और लोककथाओं को राष्ट्रीय पटल पर खड़ा किया। कुल मिलाकर, इनमें अलग-अलग संस्कृतियों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 11 लाख से अधिक जनजातीय नागरिकों की भागीदारी देखी गई। ये आयोजन इस बात की घोषणा थे कि आधुनिक भारत को आकार देने में जनजातीय विरासत एक जीवंत और सक्रिय शक्ति है।

जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशन की दिशा में पिछले बारह वर्षों के निरंतर और केंद्रित राष्ट्रीय प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 इस गति को चार विषयगत सप्ताहों के माध्यम से आगे ले जा रहा है, जो मिलकर जनजातीय विकास के संपूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। विशेष रूप से इसका तीसरा सप्ताह भारत के भविष्य से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न पर केंद्रित है: हम उन व्यक्तियों और समुदायों को कैसे पहचानें जिन्होंने इस राष्ट्र को आकार दिया और हम आने वाली पीढ़ी को उस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कैसे सशक्त बनाएं?

इस प्रश्न का उत्तर तलाशने की शुरुआत उन अनेक जनजातीय नायकों को पहचान देने से होती है, जिनका योगदान बहुत लंबे समय तक मुख्यधारा के ऐतिहासिक आख्यानों से गायब रहा। देश के जनजातीय क्षेत्रों में, शिक्षकों, कलाकारों, पारंपरिक चिकित्सकों और समाज सुधारकों की पीढ़ियों ने इन समुदायों को संजो कर रखा है और उनकी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा है। उनकी कहानियाँ भारत की राष्ट्रीय स्मृति में एक सही और न्यायसंगत स्थान की हकदार हैं और उनके इन योगदानों को दस्तावेजों में दर्ज करने तथा उन्हें याद रखने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

देश भर के जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) मौखिक इतिहास का दस्तावेजीकरण करने, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को रिकॉर्ड करने और जनजातीय भाषाओं व सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयास में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान में, 26 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थान इस कार्य में जुटे हुए हैं, जिसके तहत 222 जनजातीय भाषाओं में 355 का प्रारंभिक दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। ये प्रयास भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य सांस्कृतिक ज्ञान को संजोकर रखने में मदद कर रहे हैं।

राष्ट्रीय विमर्श में जनजातीय आवाज़ों को फिर से स्थापित करने का प्रयास जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों के माध्यम से भी आकार ले रहा है, जिनकी परिकल्पना स्मृति और पहचान के स्थलों के रूप में की गई है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समुदायों की भूमिका को सम्मानित करने के लिए 10 राज्यों में ऐसे 11 संग्रहालयों को मंज़ूरी दी है। इनमें से चार संग्रहालयों का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है, जिनमें रांची में भगवान बिरसा मुंडा और नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह को समर्पित संग्रहालय शामिल हैं। इन संस्थानों के जरिए जनजातीय वीरों की गाथाओं के दस्तावेजीकरण और उन पर आधारित कार्यक्रमों के आयोजन से इन्हें भारत की सामूहिक ऐतिहासिक याद में स्थाई रूप से पिरोया जा रहा है।

मशाल थामने वालों को सशक्तिकरण

अतीत को सम्मानित करने के साथ ही, यह यात्रा स्वाभाविक रूप से वर्तमान पीढ़ी को सशक्त बनाने की ओर बढ़ती है। यह बदलाव उन जनजातीय छात्रों की बढ़ती संख्या में सबसे स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिन्हें मंत्रालय के छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का लाभ मिल रहा है। अकेले चालू वर्ष में ही, पांच छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 26,01,979 जनजातीय छात्रों को सहायता प्रदान की गई है, जिसके लिए कुल 3825.54 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इनमें से कई छात्र अपने परिवारों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं, जो न केवल अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को, बल्कि पूरे समुदाय की आशाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। विशेष बात यह है कि वर्तमान छात्रवृत्ति लाभार्थियों में से 56त्न से अधिक महिलाएं हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का विस्तार भी शिक्षा तक पहुँच और अवसरों के प्रति इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वीकृत ईएमआरएस संस्थानों की संख्या वर्ष 2013-14 के 167 से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 723 हो गई है, जो 330त्न से अधिक की वृद्धि है - जबकि इसी अवधि के दौरान पहले से चल रहे स्कूलों की संख्या 123 से बढ़कर 499 हो गई है। छात्रों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 0.34 लाख से बढ़कर 1.56 लाख छात्र हो गई है। जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा प्रदान करके, ईएमआरएस संस्थान मजबूत शैक्षिक नींव तैयार करने और देश भर के जनजातीय बच्चों के लिए अवसरों का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं।

ये आंकड़े केवल योजनाओं के विस्तार को ही नहीं दर्शाते; बल्कि ये एक बड़े संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। छात्रवृत्तियाँ और फेलोशिप वास्तव में आत्मविश्वास, प्रतिनिधित्व और नेतृत्व में किया जाने वाला निवेश हैं। हमारी प्रतिबद्धता अडिग है: किसी भी आदिवासी छात्र को भौगोलिक स्थिति, पृष्ठभूमि या शिक्षण संस्थानों तक सीमित पहुँच के कारण अवसरों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इस बदलाव के साथ-साथ, जनजातीय महिलाओं के नेतृत्व में भी जमीनी स्तर पर एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। पीढ़ियों से, जनजातीय महिलाएं अपनी संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और सामुदायिक जीवन की मूक संरक्षक रही हैं – वे परिवारों और परंपराओं को सहेजती आई हैं। भारत में लगभग 5.20 करोड़ जनजातीय महिलाएं हैं, जो कुल जनजातीय आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। समावेशी विकास में उनका नेतृत्व अब मुख्य भूमिका निभा रहा है।

वर्तमान में, 4,712 वन धन विकास केंद्र स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 3,365 कार्यरत हैं। इनसे 12.9 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं और इन लाभार्थियों में आधे से अधिक संख्या महिलाओं की है। ये प्रयास एक ओर जहाँ जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

समारोह, स्मरण, शिक्षा और महिला नेतृत्व मिलकर एक बड़ी और निरंतर आगे बढ़ने वाली कहानी का हिस्सा बनते हैं—एक ऐसी कहानी, जिसमें जनजातीय समुदाय आत्मविश्वास और सम्मान के साथ भारत के भविष्य को नया आकार दे रहे हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान जैसी पहलों के माध्यम से, समन्वय और सहयोग के नए प्रतिमान के ज़रिए जमीनी स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है। जनजातीय विद्वानों का उभरना, गुमनाम नायकों की पहचान और जनजातीय महिलाओं का बढ़ता नेतृत्व, यह सब मिलकर इस बात को दर्शाता है कि भगवान बिरसा मुंडा की विरासत आज के आधुनिक भारत में भी जीवंत है।

आज, भारत के 10.5 करोड़ से भी ज़्यादा आदिवासी नागरिक, देश की कहानी का एक सबसे प्रभावशाली और प्रगतिशील अध्याय हैं। वे राष्ट्रीय प्रगति के हाशिए पर नहीं हैं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प में सबसे मजबूत योगदान देने वालों में से हैं — जहाँ विद्वान नए कीर्तिमान रच रहे हैं, महिलाएँ नेतृत्व की नई परिभाषा गढ़ रही हैं और गुमनाम नायकों को आखिरकार राष्ट्रीय पहचान मिल रही है। इस यात्रा में, धरती आबा की विरासत आगे बढ़ रही है।

(लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं।)

प्रयागराज में ट्रिपल मर्डर: एक ही परिवार के तीन बुजुर्गों का कत्ल, पहले दौड़ाया फिर धारदार हथियार से काट डाला

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज जिले में एक बार फिर सामूहिक हत्याकांड की घटना ने सनसनी फैला दी है। यमुनानगर के मेजा थाना इलाके के कुकुरकटवा गांव में एक ही परिवार के तीन बुजुर्ग सदस्यों की देर रात नृशंस हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह जब घटना का पता चला तो ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और मातम पसर गया। इस दौरान दोषी पाए जाने पर रामनगर पुलिस चौकी के दरोगा राम विलाश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। घटना के खुलासे के लिए एसओजी, क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस को लगाया गया है। हालांकि मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, यह वारदात सोमवार देर रात करीब 1 बजकर 30 मिनट के आसपास हुई। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं, जो एक ही परिवार के थे। प्रथम दृष्टया, बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला किया और फिर पीट-पीट कर हत्या की। घटनास्थल की स्थिति से पता चला कि पीड़ितों को दौड़ा-दौड़ा कर मारा गया था।

घटना की सूचना मिलते ही प्रयागराज पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन पुलिस की टीम, फॉरेंसिक विशेषज्ञों और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंची और गहन छानबीन शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, तीनों बुजुर्गों की सोते वक्त हत्या की गई। मृतकों की पहचान अमरावती देवी पत्नी नींबूलाल (65), इंद्रावती देवी पत्नी दूधनाथ (62) और श्याम लाल पुत्र गुलजार (65) के रूप में हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि तीनों के शव उनके घर से लगभग 20 मीटर की दूरी पर मिले हैं। इस भयावह घटना ने कुकुरकटवा गांव को झकझोर कर रख दिया है।

मेजा के नीबी (कुकुरकटवा) गांव के श्याम लाल गुप्ता उर्फ कल्लू गुप्ता (65) पांच भाई में सबसे बड़े थे। जिसमें दो भाई दूधनाथ और मंजेश की पहले ही मौत हो चुकी है। श्याम लाल और उनकी पत्नी फूलकली (जो विक्षिप्त है), नेब्बू लाल की पत्नी अमरावती देवी(55) और दिवंगत दूधनाथ की पत्नी इन्द्रावती देवी (60) घर पर रहते थे।

सोमवार आधी रात बाद तीन-चार की संख्या में धारदार हथियार लेकर आए लोगों ने सो रहे लोगों पर हमला बोल दिया। इस दौरान सभी लोगों ने जान बचाने के लिए भागने की कोशिश की लेकिन पीट-पीटकर श्यामलाल गुप्ता, अमरावती देवी और इन्द्रावती देवी को मार डाला गया। वहीं, मृतक श्यामलाल गुप्ता की पत्नी फूलकली को खरोंच तक नहीं आई है।

पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन जांच जारी है और जल्द ही मामले का खुलासा होने की उम्मीद है। घटनास्थल पर पहुंचे प्रयागराज एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर डॉ. अजय पाल शर्मा ने स्थिति का जायजा लिया और जांच अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फील्ड यूनिट, डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर मौजूद रहकर सबूत जुटाने में जुटी है। पुलिस का कहना है कि सभी एंगल से मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

परिवार का आरोप और धमकी

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। मृतकों के परिजनों ने पुलिस को अहम जानकारी दी है। उन्होंने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार, आरोपी ने करीब एक सप्ताह पहले परिवार को खत्म करने की धमकी दी थी। यह धमकी किसी पुरानी रंजिश के चलते दी गई थी। पुलिस अब इस पहलू पर गहराई से जांच कर रही है। मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है। मृतक मंजेश के परिजनों के मुताबिक, गांव का ही हिमांशु यादव जबरी उसकी बेटी प्रिया गुप्ता से शादी करना चाह रहा था। घर के लोग उसकी शादी नहीं होने दे रहे थे। इसलिए वह पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दे रखा था। आरोप है कि हिमांशु ने अपने साथियों संग घटना अंजाम दिया है। मामले में पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

मुहर्रम पर नई परंपरा प्रारंभ नहीं होगी: एसपी

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को देर सायं आगामी मुहर्रम को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराए जाने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने मुहर्रम के जुलूसों को निर्धारित मार्ग एवं परंपरागत स्वरूप बनाए रखने तथा किसी भी नई परंपरा की अनुमति न दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कानून व्यवस्थाए, सुरक्षा, साफ-सफाई, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा नर्देश प्रदान किए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि मुहर्रम के दौरान आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा एम्बुलेंस, सीएचसी, पीएचसी एवं अन्य स्वास्थ्य केंद्रों को पूर्ण रूप से तैयार रखा जाए। विद्युत विभाग के अधिकारियों को अलर्ट मोड में कार्य करते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पत्थरगड्डी को हटाने वालों पर हो विधिक कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक, एंटी भूमाफिया के कार्यो की समीक्षा सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक हुयी। आबकारी विभाग, राज्य कर विभाग, परिवहन विभाग, वन विभाग, खनन विभाग सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग राजस्व प्राप्ति बढ़ाने हेतु प्रभावी प्रयास करें। जिलाधिकारी के द्वारा एंटी भू-माफिया अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शनिवार एवं रविवार की रात्रि में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों की रोकथाम हेतु रोस्टरवार राजस्व निरीक्षकों की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होंने नायब तहसीलदार, तहसीलदार एवं उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकारी भूमि पर कब्जे की सूचना प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व से गठित एंटी भू-माफिया टास्क फोर्स को पुनः सक्रिय किया जाए तथा न्यायालय के आदेश पर की गई पत्थरगड्डी को हटाने वालों के विरुद्ध तत्काल विधिक कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह कम से कम एक बार उप जिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी समन्वय कर भूमि संबंधी विवादों एवं अतिक्रमण संबंधी मामलों के निस्तारण का प्रयास करें। अपर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ठ,अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट इन्द नन्दन सिंह सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

1 लाख 85 हजार का बिल... गरीब पान विक्रेता ने बिजली विभाग से परेशान होकर दे दी जान

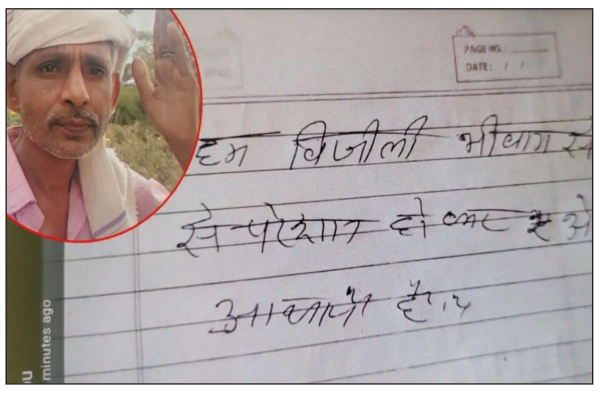

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र स्थित मुरादचक गांव से एक बेहद दर्दनाक और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां सड़क किनारे एक छोटी सी गुमटी में पान बेचकर अपने परिवार का पेट पालने वाले सुरेंद्र कश्यप ने कथित तौर पर बिजली विभाग के भारी-भरकम बिल और वसूली के लगातार दबाव से परेशान होकर सल्फास (जहर) खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक के पास से मिले सुसाइड नोट ने पूरे सरकारी महकमे और उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, करीब एक साल पहले बिजली विभाग की विजिलेंस टीम ने सुरेंद्र की दुकान पर छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के बाद उन पर लगभग 1 लाख 12 हजार रुपये का जुर्माना और बकाया बिल निर्धारित किया गया था। एक गरीब पान विक्रेता के लिए यह रकम बहुत बड़ी थी। बाद में जब यह मामला तहसील पहुंचा और आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी हुई, तो यह बकाया राशि बढ़कर लगभग 1 लाख 85 हजार रुपये हो गई।

अधिकारियों के चक्कर काट कर थक चुका था पीड़ित

परिजनों का आरोप है कि सुरेंद्र कश्यप इस भारी-भरकम बिल को कम कराने और कोई राहत पाने के लिए लगातार बिजली विभाग और तहसील के अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। लेकिन उन्हें कोई राहत मिलने के बजाय बार-बार मानसिक प्रताड़ना और भुगतान का दबाव झेलना पड़ रहा था। राजस्व कर्मी और बिजली विभाग के लोग लगातार उनकी दुकान पर पहुंचकर वसूली के लिए धमकाते थे और दुकान बंद कराने की चेतावनी देते थे।

बेटियों की शादी की चिंता और टूटती उम्मीदें

मृतक की पत्नी ज्ञानती ने रोते हुए बताया कि सुरेंद्र अक्सर भारी तनाव में रहते थे और कहा करते थे कि "अगर मैं मर जाऊं, तो शायद यह बिल और जुर्माना खत्म हो जाएगा।" परिवार की माली हालत पहले से ही बेहद खराब थी। ऊपर से दो जवान बेटियों की शादी की चिंता और इस बढ़ते कर्ज के बोझ ने सुरेंद्र को अंदर से पूरी तरह तोड़ दिया था। इस खौफनाक कदम के बाद पूरे गांव में बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है।

कारीगरों के आर्थिक उत्थान के लिए ऋण योजनायें

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। डिप्टी कमिश्नर इण्डस्ट्रीज ने अवगत कराया है कि एक जनपद एक उत्पाद योजना के तर्ज पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों को विशिष्ट व्यंजन से पहचान दिलाने हेतु उ.प्र. सरकार द्वारा 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना प्रारम्भ की गयी, जिसका उद्देश्य चिन्हित व्यंजनों को प्रतिस्पर्धी बनाना, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्केटिंग करके स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। उक्त के क्रम में जनपद के चिन्हित व्यंजन (इमरती, एटम बम, जौनपुर मूली) हैं, में कार्यरत कार्य करने के इच्छुक व्यक्तियों को व्यंजन की उत्पादकता बढ़ाने, पैकेजिंग, फूड टेस्टिंग, व्यंजनों के शेल्फ लाइफ बढ़ाने हेतु आधुनिक उपकरण, कोल्ड चेन/कोल्ड स्टोरेज हेतु डीप फ्रीजर, क्लाउड किचन इत्यादि की स्थापना एवं अन्य ऐसे क्रिया-कलाप जो चिन्हित ओ.डी.ओ.सी. व्यंजन को प्रतिस्पर्धी बनाएं, के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। एक जनपद एक व्यंजन योजना के अंतर्गत जिसमें रु0 25 लाख तक की कुल परियोजना लागत की इकाइयों हेतु कुल परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम रु0 6.25 लाख जो भी कम हो, रु0 25 लाख से रु0 50 लाख तक की इकाइयों हेतु रु0 6.25 लाख अथवा परियोजना लागत का 20 प्रतिशत जो भी अधिक हो, रु0 50 लाख से रु0 150 लाख तक की कुल परियोजना लागत की इकाइयों हेतु रु0 10 लाख अथवा परियोजना लागत का 10 प्रतिशत जो भी अधिक हो तथा रु0 150 लाख से अधिक की कुल परियोजना लागत की इकाईयों हेतु परियोजना लागत का 10 प्रतिशत अधिकतम रु0 50 लाख जो भी कम हो, मार्जिन मनी के रुप में देय होगी। सामान्य वर्ग के लाभार्थी द्वारा परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं का अंशदान एवं विशेष श्रेणी (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला एवं दिव्यांगजन) के लाभार्थियों को परियोजना लागत का 5 प्रतिशत स्वयं का अंशदान जमा करना होगा।

कोतवाली में महिलाओं के दो गुटों में मारपीट

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बदलापुर कोतवाली में दो पक्षों की महिलाओं के मारपीट हो गई। उसी दौरान दोनों पक्ष की महिलाओं के बीच जमकर लात घूंसे चलें। मारपीट के दौरान वहां मौजूद महिला पुलिस कर्मियों ने किसी तरह बचाव कर महिलाओं को काबू में किया। कुल आठ महिलाओं समेत नौ लोगों के घायल होने की जानकारी प्राप्त हुई है। फिल्हाल पुलिस ने इस मारपीट के मामले में एक नामजद समेत 16 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही में जुट गई है। बदलापुर खुर्द गांव के संजय कुमार की पत्नी गेना देवी ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव में सात महीने पहले सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के डेहुड़ा गांव निवासी आनंद कुमार निषाद ने संपर्क कर कहा मैं रूटपूरे मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कार्यरत हूं। आप सब 16 हजार 700 सौ रुपये देकर कंपनी से जुड़ जाइए। सबके खाते में पांच से दस हजार रुपये प्रति माह आने लगेगा।उस व्यक्ति के झांसे में आकर गांव की महिलाओं व एक पुरुष उक्त धनराशि देकर जुड़ गए। सात महीने के बाद रविवार की शाम आनंद निषाद फिर वह कुछ साथियों के साथ उसी गांव में गया और कहा कि आप लोग कुछ और लोगों को जोड़कर टीम को मजबूत कीजिए। इस पर महिलाओं ने आक्रोशित होकर आनंद को घेर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया। कोतवाली में दोनों पक्षों की महिलाओं में बहस हो गई और बात इतनी बढी कि वह आपस में मारपीट करने लगीं। इस मारपीट में एक पक्ष से गेना देवी, कमला, मालती, रीमा, नीलम, बिंदू, संजू, सुशीला व संदीप घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।कोतवाली परिसर में महिलाओं के आपस में मारपीट की इस घटना को लेकर थाना प्रभारी फूलचंद पांडेय ने बताया गेना देवी की तहरीर पर आनंद कुमार निषाद सहित 16 अज्ञात के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

शोरूम से 4 करोड़ के आभूषण ले उड़े चोर : पुलिस ने एक को देर रात दबोचा, सेल्समैन ने जन्मदिन पार्टी में रची साजिश

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस ने आरडीसी स्थित एक ज्वेलरी शोरूम में चोरी करने वाले एक बदमाश को देर रात गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार बदमाश के नाम चितरंजन और चींटू निवासी मुरादनगर है। हालांकि मुख्य आरोपी सेल्समैन नितिन वर्मा घटना के पांच दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

उधर, ऑडिट में शोरूम की ओर से अभी तक चोरी गए आभूषणों का ब्यौरा नहीं दिया गया है। पुलिस के अनुसार, सेल्समैन नितिन और चितरंजन ने चार करोड़ रुपए से अधिक कीमत के आभूषण चोरी किए हैं। पुलिस आज इस मामले का खुलासा करेगी।

शुक्रवार को हुए सोने-चांदी के आभूषण चोरी

राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर (आरडीसी) स्थित एक ज्वेलरी शोरूम में शुक्रवार सुबह करोड़ों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चोरी हो गए। पुलिस जांच में सामने आया है कि वारदात को अंजाम देने वालों में शोरूम का एक सेल्समैन भी शामिल था। सीसीटीवी फुटेज में वह अपने एक साथी के साथ चोरी करते दिखाई दिया। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की।

दिल्ली के कालकाजी निवासी रोहित अरोड़ा शोरूम के प्रबंधक हैं। उन्होंने बताया कि सुबह करीब आठ बजे उन्हें एक सुरक्षाकर्मी का फोन आया कि शोरूम का शटर खुला हुआ है। मौके पर पहुंचने पर बड़ी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषण गायब मिले। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो पता चला कि सुबह करीब सात बजे दो युवक पैदल शोरूम पहुंचे और चाबी से शटर का ताला खोलकर अंदर दाखिल हुए।

दोनों ने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे बंद करने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद वे पहली मंजिल पर पहुंचे और शोकेस में रखी महंगी ज्वेलरी बैग में भर ली। करीब 25 मिनट तक शोरूम के भीतर रहने के बाद दोनों आरोपी लाखों रुपये के आभूषण लेकर फरार हो गए। फुटेज देखने के बाद शोरूम स्टाफ ने एक आरोपी की पहचान सेल्समैन नितिन वर्मा (25) निवासी 492 बुलाको पाड़ा, मोदीनगर के रूप में की।

चोरी से पहले दी जन्मदिन की पार्टी

एसीपी ने बताया कि शोरूम प्रबंधक के अनुसार, आरोपी नितिन ने करीब एक माह पहले पांच मई को शोरूम में नौकरी शुरू की थी। उसका पुलिस सत्यापन भी कराया गया था और कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया था। शोरूम स्टाफ के मुताबिक, नितिन ने तीन दिन पहले अपना जन्मदिन होने की बात कहकर बृहस्पतिवार रात आरडीसी के एक ढाबे पर पार्टी दी थी। पार्टी में शोरूम का पूरा स्टाफ और सुरक्षाकर्मी भी शामिल हुए थे। प्रबंधक के अनुसार, शोरूम की चाबी कैशियर गौतम राज के पास रहती है और वही शोरूम खोलने-बंद करने की जिम्मेदारी संभालते हैं। पुलिस को आशंका है कि पार्टी के दौरान उसने किसी तरह शोरूम की चाबी हासिल की। हालांकि, इसकी जांच की जा रही है। पार्टी में शामिल एक सुरक्षाकर्मी की रात में शोरूम पर ड्यूटी थी, लेकिन वह वहां मौजूद नहीं मिला। इससे उसकी भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई।

राम मंदिर चंदा मामला : पुलिस में शिकायत, आरोपियों का पॉलीग्राफी टेस्ट कराने की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी मामले में पुलिस को एक तहरीर दी गई है। संतोष दूबे नाम के एक शख्स ने थाना रामजन्मभूमि में लिखित शिकायत देकर दान-पात्र में चढ़ावे के गबन का आरोप लगाया है। इसमें दावा किया गया कि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा रोजाना सोना, चांदी, आभूषण और नकद बड़ी मात्रा में दान किया जाता है। दान में आने वाली धनराशि और बहुमूल्य आभूषणों के प्रबंधन में बड़े स्तर पर अनियमितताएं की गईं।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि ट्रस्ट से जुड़े कुछ पदाधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये का गबन हुआ। पत्र में दावा किया गया कि करीब 200 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि और बहुमूल्य सामान में हेराफेरी की गई। आरोप है कि लेखा-बही में कथित कूटरचना कर वास्तविक रकम छिपाकर चोरी और गबन को अंजाम दिया गया।

शिकायत में कहा गया कि कुछ मामलों में छोटे चोरों के पास से भी मंदिर से जुड़े बहुमूल्य सामान बरामद होने की जानकारी सामने आई। शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कर गिरफ्तारी और पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की मांग की। साथ ही दान में आए रुपये, सोना-चांदी, आभूषण और सिक्कों की बरामदगी कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई गई।

शिकायतकर्ता ने कहा कि इस कथित कृत्य से राम भक्तों और हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। संतोष दुबे सीधे सीधे नाम ले कर चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपालजी राव और टिन्नू यादव का नाम ले कर गंभीर आरोप लगा रहे हैं।

SIT कर रही है मामले की जांच

राम मंदिर चंदा चोरी मामले की जांच एसआईटी जांच कर रही है। कल करीब 40 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई थी। एसआईटी की टीम आज यानी मंगलवार को भी राम मंदिर परिसर पहुंची है। जांच के लिए एसआईटी की तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। इस टीम में वरिष्ठ IPS अधिकारी विजय विश्वास पंत, आईपीएस अधिकारी एस। किरण और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में राम मंदिर से राशि गायब होने के आरोप लगाए थे। इसके बाद यह मामला काफी गरमा गया है।

कांग्रेसी नेता की पुण्यतिथि मनायी गई

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला नासही में स्थित एमएच कॉन्वेंट स्कूल के संस्थापक चिराग अली उर्फ कल्लू नेता की 16वीं पुण्यतिथि मंगलवार को स्कूल परिवार द्वारा धूमधाम से मनायी। इस अवसर एक मजलिस का आयोजन हुआ। वक्ताओं ने कहा कि चिराग अली एक ऐसे समाज सेवक थे जिनकी सोच थी कि समाज शिक्षित रहे। इसलिए उन्होंने एमएच कान्वेंट स्कूल की बुनियाद रखी और शिक्षा के चिराग को रोशन किया। उनका मानना था कि जब लोग शिक्षित रहेंगे तभी देश का विकास और मानव सेवा हो सकती है। वे अत्यन्त सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। मजलिस से पहले स्कूल के अध्यापक और अध्यापकों समाजसेवी व कांग्रेसी नेता रहे चिराग अली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके पुत्र इजहार हुसैन ''बब्बू'' अपने वक्तव्य में कहा कि वह कांग्रेस के जुझारू नेता थे और इंदिरा गांधी के जमाने में हुए जेल भरो आंदोलन में भी भाग लिया था।

जला और बचा कुकिंग ऑयल भी आ रहा अब बड़े काम, रेस्टोरेंट और हलवाइयों से लेकर बायो डीजल बना रही कंपनी

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। रेस्टोरेंट्स, हलवाइयों और नमकीन आदि बनाने वाली इकाइयों पर जला और बचा हुआ कुकिंग ऑयल भी अब बड़े काम आ रहा है। इसको रीसाइकिल कर बायो डीजल बनाया जा रहा है। आगरा और आसपास के जिलों से इसका कलेक्शन कराया जा रहा है। गौरतलब है कि उपयोग के बाद बचा या बार-बार गर्म किया गया कुकिंग ऑयल मानव स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) के मानक के अनुसार किसी भी तेल को दो या तीन से अधिक बार गर्म नहीं करना चाहिए। उपयोग के बाद बचे तेल को फेंके जाने से पर्यावरण प्रभावित होता है। उपयोग के बाद बचे हुए कुकिंग ऑयल से इकाइल बायो-डीजल बना रही है। इसके लिए वह आगरा, मथुरा और फिरोजाबाद के दो दर्जन होटल, रेस्टोरेंट और नमकीन कारोबारियों से बचे हुए कुकिंग ऑयल को एकत्र करती है। इसे बायो-डीजल में तब्दील करने के लिए जयपुर या गुरुग्राम प्लांट भेज दिया जाता है।

होटल जेपी पैलेस में चल रहे फूड एक्सपो एंड कान्क्लेव में गुरुग्राम की इकाइल ने स्टॉल लगाई है। लाइजनिंग आफिसर स्वाति मेहंदीरत्ता ने बताया कि कुकिंग के बाद बचे हुए कुकिंग ऑयल का निस्तारण सबसे बड़ी समस्या है। गांवों में इसे पशुओं को चारे में मिलाकर खिला दिया जाता है, लेकिन शहरों में यह बड़ी समस्या है। बचे हुए कुकिंग ऑयल को बार-बार गर्म करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और उसमें कैंसरकारी तत्व एल्डिहाइड, ट्रांस-फैट बनने लगते हैं। इससे दिल की बीमारियां, मोटापा और पेट रोग होने का खतरा बढ़ जाता है। तेल में टोटल पोलर कंपाउंड्स यदि 25 प्रतिशत तक हो जाएं तो उसे फेंक देना चाहिए। समस्या यह है कि जलीय स्रोतों में तेल फेंकने से जलीय जीवों पर बुरा प्रभाव पड़ता है और खेतों में डालने से मिट्टी की उर्वरकता प्रभावित होती है। डेढ़ वर्ष पूर्व इकाइल ने जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया था, जिसमें लोगों को धीरे-धीरे कर जोड़ा गया। दीपावली व होली पर अधिक बचा हुआ तेल निकलता है। इकाइल की सीनियर मैनेजर प्रोक्यूरमेंट सुनैना गुसाईं ने बताया कि पहले उपयोग के बाद बचे हुए कुकिंग ऑयल को एकत्र किया जाता है। बाद में उसे प्लांट भेजा जाता है।

गर्मियों में पुदीना जल्दी सूख जाता है? अपनाएं ये आसान स्टोरेज टिप्स, 15 दिन तक रहेगा ताजा

गर्मियों में पुदीने को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए उसकी जड़ों को काटकर अच्छी तरह धो लें और पूरी तरह सुखा लें। इसके बाद पुदीने को टिश्यू पेपर में लपेटकर एयरटाइट कंटेनर में फ्रिज में रखें। आप चाहें तो पुदीने की पत्तियों को फ्रीज करके भी कई हफ्तों तक सुरक्षित रख सकते हैं।

गर्मियों का मौसम आते ही पुदीने की मांग अचानक बढ़ जाती है। चाहे ठंडी चटनी बनानी हो, आम पन्ना तैयार करना हो, मोजिटो बनाना हो या फिर रायते में ताजगी का स्वाद जोड़ना हो, पुदीना लगभग हर भारतीय रसोई का अहम हिस्सा बन जाता है। लेकिन समस्या तब आती है जब बाजार से लाया गया ताजा पुदीना एक-दो दिन में ही मुरझाने लगता है। कई बार इसकी पत्तियां काली पड़ जाती हैं या सूख जाती हैं, जिससे न केवल स्वाद प्रभावित होता है बल्कि पैसे की भी बर्बादी होती है।

गर्मियों में अधिक तापमान और नमी के कारण हरी पत्तेदार चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं। ऐसे में सही स्टोरेज तकनीक अपनाकर पुदीने को कई दिनों तक ताजा रखा जा सकता है। अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको किसी महंगे उपकरण की जरूरत नहीं है। घर में मौजूद कुछ साधारण चीजों की मदद से आप पुदीने की ताजगी और खुशबू लंबे समय तक बनाए रख सकते हैं।

अगर आप भी बार-बार पुदीना खरीदने से परेशान हैं या चाहते हैं कि आपकी चटनी और ड्रिंक्स में हमेशा ताजा पुदीना इस्तेमाल हो, तो ये आसान और असरदार टिप्स आपके बहुत काम आने वाले हैं।

पुदीने को धोने के बाद पूरी तरह सुखाएं

अधिकतर लोग पुदीना धोकर सीधे फ्रिज में रख देते हैं, जिससे उसमें नमी बनी रहती है और पत्तियां जल्दी खराब होने लगती हैं। पुदीने को धोने के बाद किसी सूती कपड़े या किचन टॉवल पर फैलाकर अच्छी तरह सुखा लें। जब पत्तियों पर बिल्कुल भी पानी न रहे, तभी उसे स्टोर करें। यह तरीका पुदीने की शेल्फ लाइफ बढ़ाने में मदद करता है।

टिश्यू पेपर में लपेटकर रखें

पुदीने को लंबे समय तक ताजा रखने का सबसे लोकप्रिय तरीका है उसे टिश्यू पेपर में लपेटना। टिश्यू अतिरिक्त नमी को सोख लेता है और पत्तियों को सड़ने से बचाता है। पुदीने को हल्के से टिश्यू में लपेटकर एयरटाइट डिब्बे या जिप लॉक बैग में रख दें। इससे पुदीना 10 से 15 दिनों तक ताजा रह सकता है।

पानी वाले जार में स्टोर करें

अगर आप पुदीने को बिल्कुल ताजा रखना चाहते हैं, तो उसकी डंडियों को पानी से भरे ग्लास या जार में रखें। यह तरीका फूलों को ताजा रखने जैसा ही है। जार को फ्रिज में रखें और हर दो दिन में पानी बदलते रहें। इससे पुदीने की पत्तियां लंबे समय तक हरी और फ्रेश बनी रहती हैं।

फ्रीजर में स्टोर करें

अगर आपको पुदीने का उपयोग रोज नहीं करना है, तो फ्रीजिंग एक बेहतरीन विकल्प है। पत्तियों को अलग करके आइस ट्रे में रखें और ऊपर से पानी डालकर फ्रीज कर दें। जरूरत पड़ने पर इन क्यूब्स को ड्रिंक्स, चटनी या अन्य व्यंजनों में इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे पुदीने का स्वाद और खुशबू काफी हद तक बरकरार रहती है।

इन गलतियों से बचें

पुदीने को कभी भी गीली पॉलीथिन में बंद करके न रखें।

साथ ही इसे फ्रिज के ऐसे हिस्से में न रखें जहां तापमान बहुत कम हो।

ज्यादा नमी और अत्यधिक ठंड दोनों ही पत्तियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा खराब या पीली पत्तियों को पहले ही अलग कर दें, क्योंकि वे बाकी पत्तियों को भी जल्दी खराब कर सकती हैं।

क्या है रिलेशनशिप ओसीडी, ये किस तरह कपल्स के बीच बन जाता है मुसीबत

क्या आप जानते हैं कि ओसीडी यानी ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर का असर लव रिलेशनशिप या शादीशुदा रिश्ते को भी बर्बाद कर सकता है। इसे रिलेशनशिप ओसीडी पुकारा जाता है। ये कैसे किसी भी रिश्ते पर भारी पड़ सकता है चलिए आपको बताते हैं।

रिलेशनशिप में ओसीडी का असर खतरनाक साबित हो सकता है। इसे आरओसीडी (रिलेशनशिप ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर) पुकारा जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि ये ओसीडी क्या होता है। दरअसल, ये एक मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम है और जिस इंसान पर इसका असर होता है वो अनचाहे विचारों से घिरा रहता है। एग्जाम्पल के तौर पर ऐसे इंसान को लगता है कि उसके हाथों में कीटाणु है। अगर वो ठीक से हाथ धो ले फिर भी उसे ये विचार आता है कि जर्म्स अभी भी हाथों में मौजूद हैं। इसी तरह कभी-कभी रिलेशनशिप में भी अलग-अलग विचार आते हैं और ये ओसीडी की चपेट में आने जैसा है।

ऐसा होता है कि ज्यादातर मामलों में हर व्यक्ति अपने रिलेशन को लेकर संदेह में होता है। वो पार्टनर का फोन चेक करता है या फिर उसे लेकर ओवर पोजेसिव हो जाता है। अगर रिलेशनशिप ओसीडी की दिक्कत हो जाए तो रिश्ते के टूटने का भी डर बना रहता है। चलिए आपको बताते हैं कि आरसीओडी के संकेत क्या हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है?

क्या है रिलेशनशिप ओसीडी ?

कपल्स थेरेपिस्ट तमारा होयटन का मानना है कि दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं होगा जिसे अपने रिलेशन को लेकर संदेह न हुआ हो। पर ये संदेह बढ़ने लगे और लगातार बढ़ जाए तो इसे रिलेशनशिप ओसीडी की कैटेगिरी में डाला जा सकता है। ये आरओसीडी का संकेत है। एक्सपर्ट बताते हैं कि इस मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम के होने पर इंसान अपने मन में तरह-तरह के भाव लाता है और खुद को ही दोषी या बुरा मानने लगता है। प्रभावित इंसान के मन में कई सवाल उठते हैं। वो सोचता है कि क्या मेरा पार्टनर में मेरे लिए पर्याप्त अच्छा है। दूसरे लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं? कहीं वो मुझे धोखा तो नहीं दे रहा?

आरसीओडी के संकेत

अगर कोई इंसान अपने पार्टनर पर हद से ज्यादा ध्यान देता है, उसकी कमियों पर ही अटका रहता है तो ये इस मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम का संकेत है।

ऐसे लोग अपने पार्टर में परेफेक्शन ढूंढते रहते हैं। ऐसा करना भी संकेत हो सकता है।

अपने पार्टनर से हद से ज्यादा भरोसे की उम्मीद करना और बार-बार इसका जिक्र करना भी रिलेशनशिप ओसीडी को दर्शाता है।

ऐसे लोग बार-बार अपने पार्टनर के प्यार या अपनी भावनाओं पर सवाल उठाते रहते हैं और लगातार आश्वासन चाहते हैं।

ऐसे लोग अपने रिश्ते की दूसरों के रिश्ते से तुलना करते हैं

कब ये शक वास्तव में सही हो सकते हैं?

अगर पार्टनर खुद को नॉर्मल से ज्यादा रिजर्व रखने लगे, चीजों को छिपाने लगे या उसका व्यवहार बदलता हुआ नजर आए, तो हो सकता है कि रिलेशन में कोई प्रॉब्लम है। कई बार शक इसलिए भी होता है क्योंकि रिश्ते में असल में कुछ रेड फ्लैग्स भी होते हैं। कई बार सिचुएशन गैसलाइट की भी होती है।

रिलेशनशिप ओसीडी से कैसे बचें?

एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप आरसीओडी से जूझ रहे हैं तो खुद को बुरा महसूस न कराएं। इसमें कोई शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है।

अपनी फीलिंग को छिपाने के बजाय पार्टनर से ही इन पर बात करें।

अलग-अलग विचार या बातों से घिरे रहने के बजाय किसी विश्वास वाले इंसान या एक्सपर्ट से बात करें। कहते हैं मन हल्का करने से स्ट्रेस या मानसिक बोझ कम होता है।

मन में किसी तरह का शक आए तो इस पर विचार करें। तुरंत रिएक्शन देने से चीजें बद से बदतर हो सकती हैं।

छोटी आंखों को बड़ा दिखाने के लिए अपनाएं ये 5 मेकअप के सुझाव, लगेंगी खूबसूरत

आंखों का आकार हमारे चेहरे की सुंदरता में अहम भूमिका निभाता है। अगर आपकी आंखें छोटी हैं तो मेकअप की मदद से आप उन्हें बड़ा और आकर्षक दिखा सकती हैं। सही तकनीकों और उत्पादों का इस्तेमाल करके आप अपनी आंखों को बड़ा और चमकदार बना सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी मेकअप टिप्स बताएंगे, जिनसे आप अपनी छोटी आंखों को भी बड़ा दिखा सकती हैं।

आंखों के नीचे हल्का कंसीलर लगाएं

आंखों के नीचे हल्का कंसीलर लगाने से आपकी आंखें खुली हुई दिखेंगी। यह तरीका आपकी आंखों को थका हुआ दिखने से बचाता है और उन्हें ताजा बनाता है। कंसीलर को हल्के हाथों से फैला लें, ताकि यह अच्छी तरह से मिल जाए। इससे आपकी आंखें बड़ी और चमकदार दिखेंगी, जिससे आपका पूरा चेहरा निखरा हुआ लगेगा। यह एक सरल तरीका है, जिससे आप अपने लुक को खास बना सकती हैं।

सफेद या हल्का नीला आई लाइनर लगाएं

आंखों के अंदरूनी किनारों पर सफेद या हल्का नीला आई लाइनर लगाने से आपकी आंखें बड़ी दिखती हैं। यह तरीका आपकी आंखों को खुला हुआ और चमकदार बनाता है। सफेद या हल्का नीला रंग आंखों को उज्जवल दिखाता है, जिससे वे बड़ी और आकर्षक लगती हैं। इस तरह का लाइनर आपके लुक को खास बनाता है और आपकी आंखों की सुंदरता को उभारता है। इसे अपनाकर आप अपने मेकअप को और भी प्रभावी बना सकती हैं।

लैशेस कर्ल करें और काजल लगाएं

लैशेस को कर्ल करना और काजल लगाना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपकी आंखों को बड़ा दिखाने में मदद करता है। घुमावदार उपकरण की मदद से आपकी लैशेस ऊपर की ओर मुड़ जाती हैं, जिससे आपकी आंखें खुली और बड़ी दिखती हैं। इसके बाद काजल लगाने से आपकी लैशेस घनी और लंबी लगती हैं। यह तरीका आपके लुक को और भी खास बनाता है और आपकी आंखों की सुंदरता को उभारता है।

आंखों के ऊपर हल्का भूरा रंग लगाएं

आंखों के ऊपर हल्का भूरा रंग लगाने से आपकी आंखें गहरी दिखती हैं, जिससे वे बड़ी लगती हैं। भूरे रंग के आई शैडो को हल्के हाथों से आंखों के ऊपर लगाने से गहरापन आता है। यह तरीका आंखों को आकर्षक बनाता है और उन्हें निखारता है। इससे आपकी आंखें बड़ी और चमकदार दिखती हैं, जिससे आपका पूरा चेहरा निखरा हुआ लगता है। इस तरह का रंग आपके लुक को खास बनाता है और आपकी आंखों की सुंदरता को उभारता है।

भौंहों को साफ-सुथरा रखें

भौंहों का सही आकार आपकी आंखों को बड़ा दिखाने में अहम भूमिका निभाता है। अगर आपकी भौंहें बिखरी हुई हों तो वे आपकी आंखों की सुंदरता को कम कर सकती हैं। इसलिए, नियमित रूप से अपने भौंहों की सफाई करें और उन्हें सही आकार दें। इन सरल, लेकिन प्रभावी तरीकों को अपनाकर आप अपनी छोटी आंखों को भी बड़ा दिखा सकती हैं और अपने लुक को खास बना सकती हैं।

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी LIC के 70 साल पूरे, अब ग्राहकों को नई डिजिटल सुविधाएं देने की है तैयारी

70 साल पूरे कर चुकी देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी अब मेगा प्लान पर काम कर रही है। 57 लाख करोड़ की संपत्ति और 60 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ, कंपनी का लक्ष्य डिजिटल और फिनटेक क्षेत्र में नई पैठ बनाना है। सीईओ आर। दोरईस्वामी के मुताबिक, एलआईसी का मकसद प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी लीडरशिप को और मजबूत करना है।

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) ने अपने सफर के 70 साल पूरे कर लिए हैं। साल 1956 में महज 5 करोड़ रुपये की पूंजी से शुरू हुई यह संस्था आज 57 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियों का प्रबंधन कर रही है। बाजार में कई नई निजी कंपनियों के आने और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बावजूद एलआईसी ने अपनी बादशाहत कायम रखी है। आज भी जीवन बीमा क्षेत्र के करीब 60 फीसदी बाजार पर इसका कब्जा है। एलआईसी के सीईओ और एमडी आर। दोरईस्वामी का कहना है कि कंपनी भविष्य में अपनी इस लीडरशिप को न सिर्फ बरकरार रखेगी, बल्कि नए डिजिटल अवतार के साथ देश के विकास में अपना योगदान भी बढ़ाएगी।

देश के विकास से सीधा कनेक्शन

एलआईसी के सीईओ दोरईस्वामी बताते हैं कि जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है, एलआईसी भी तरक्की करती है। इसी तरह एलआईसी की ग्रोथ से देश की अर्थव्यवस्था को ताकत मिलती है। एक आम नागरिक के तौर पर जब कोई एलआईसी में अपनी गाढ़ी कमाई का निवेश करता है, तो वह पैसा सिर्फ उसके भविष्य को सुरक्षित नहीं करता, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने में भी काम आता है। आने वाले सालों में जब भारत 'विकसित भारत' की ओर कदम बढ़ाएगा, तब भी एलआईसी इस महायज्ञ में एक प्रमुख स्तंभ के रूप में खड़ी रहेगी।

75वें साल के लिए खास विजन

आज के समय में बीमा सेक्टर में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। लेकिन एलआईसी का लक्ष्य सिर्फ अपनी मौजूदा जगह बचाना नहीं है। प्रबंधन का मानना है कि मुकाबला बढ़ने पर भी कंपनी बाजार में अपनी बड़ी बढ़त कायम रखेगी। अपने 75वें और 100वें साल की तरफ बढ़ते हुए एलआईसी की कोशिश है कि वह देश के हर कोने, खासकर ग्रामीण इलाकों तक अपनी पहुंच को और ज्यादा आसान बनाए। एक सितंबर 1956 को जब 245 कंपनियों का राष्ट्रीयकरण करके एलआईसी की स्थापना हुई थी, तब इसका मूल मकसद यही था कि बीमा का सुरक्षा कवच गांव-गांव तक पहुंच सके।

विशाल नेटवर्क के साथ ग्लोबल पहचान

आज यह कंपनी सिर्फ एक बीमा प्रदाता तक सीमित नहीं है। करीब 60,000 करोड़ रुपये की रियल एस्टेट संपत्तियों के साथ एलआईसी एक विशाल वित्तीय संस्थान बन चुकी है। देश भर में इसके 2,048 से ज्यादा कंप्यूटरीकृत ब्रांच ऑफिस, 113 डिवीजनल ऑफिस और 1,381 सैटेलाइट ऑफिस काम कर रहे हैं। इसके अलावा 13 अन्य देशों में भी एलआईसी अपना कारोबार सफलतापूर्वक चला रही है। आईडीबीआई बैंक, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस जैसी सहायक कंपनियों के जरिए कंपनी ने बैंकिंग से लेकर म्यूचुअल फंड तक अपनी गहरी पैठ बना ली है।

फिनटेक सेक्टर में बड़े निवेश की तैयारी

डिजिटल दौर में ग्राहकों की जरूरतें तेजी से बदल रही हैं। इसे ध्यान में रखते हुए एलआईसी अब फिनटेक सेक्टर में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराने पर गंभीरता से विचार कर रही है। प्रबंधन के मुताबिक, आधुनिकीकरण की जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी नए फिनटेक स्टार्टअप्स के साथ जुड़ रही है। इसके तहत किसी विशेष डिजिटल कंपनी में रणनीतिक निवेश किया जा सकता है या फिर अपनी खुद की एक नई फिनटेक शाखा तैयार की जा सकती है। इसका सीधा फायदा पॉलिसीधारकों को होगा, क्योंकि इस कदम से उन्हें बेहतर रिटर्न के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

आम आदमी को तगड़ा झटका! मई में 9 .68त्न पर पहुंची थोक महंगाई, अप्रैल के मुकाबले खाने-पीने का सामान हुआ और महंगा

देश में आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। अगर आप सोच रहे थे कि बाजार में सामानों की कीमतें जल्द कम होंगी, तो वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। देश में थोक बाजार के स्तर पर महंगाई की मार बहुत तेजी से बढ़ी है। मई में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर में तेज उछाल देखा गया है, जिसने सरकार से लेकर आम उपभोक्ता तक की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

सोमवार को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में देश की थोक महंगाई दर उछलकर 9.68 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह आंकड़ा इसलिए परेशान करने वाला है क्योंकि ठीक एक महीने पहले, यानी अप्रैल 2026 में यह दर 8.26 प्रतिशत पर थी। थोक बाजार में आई इस तेजी का सीधा असर आने वाले दिनों में खुदरा बाजार पर पड़ेगा, जिससे आपकी जेब और ढीली होने वाली है।

महीना थोक महंगाई दर

मई 2025 0.39%
जून 2025 -0.13%
जुलाई 2025 -0.58%
अगस्त 2025 0.52%
सितंबर 2025 0.13%
अक्टूबर 2025 -1.21%
नवंबर 2025 -0.32%
दिसंबर 2025 0.83त्न
जनवरी 2026 1.81%
फरवरी 2026 2.13त्न%
मार्च 2026 3.88%
अप्रैल 2026 8.26%
मई 2026 9.68%

थोक महंगाई में आए इस जबरदस्त उछाल की सबसे बड़ी वजह ईंधन, बिजली और कच्चे तेल की कीमतों में आई रिकॉर्ड तेजी है। ईंधन और बिजली में थोक महंगाई अप्रैल के 24.89 प्रतिशत से सीधे छलांग लगाकर मई में 30.33 प्रतिशत पर पहुंच गई है। जबकि कच्चे तेल के मोर्चे पर महंगाई का स्तर मई में 61.51 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर दर्ज किया गया, जो अप्रैल में 56.31 प्रतिशत था

युद्ध विराम के बीच भारत के लिए आई खुशखबरी, एक्सपोर्ट में हुई रिकॉर्ड बढ़ोतरी

भारत के एक्सपोर्ट सेक्टर से अच्छी खबर आई है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में देश का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 18% बढ़कर 45।20 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इंपोर्ट भी बढ़कर 73।41 अरब डॉलर हो गया, लेकिन इस बीच ट्रेड डेफिसिट में कमी आई है। मई में घाटा 28।21 अरब डॉलर दर्ज किया गया। जो कि अप्रैल में 28।38 अरब डॉलर रहा था।

कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने कहा कि मई उन महीनों में शामिल रहा, जिनमें सबसे ज्यादा मासिक एक्सपोर्ट ग्रोथ देखने को मिली। उन्होंने बताया कि मिडिल ईस्ट क्राइसिस के कारण पहले प्रभावित हुए एक्सपोर्ट में अब रिकवरी दिखाई दे रही है। खासकर UAE, सऊदी अरब, जॉर्डन और यमन को होने वाले एक्सपोर्ट में सुधार दर्ज किया गया है। यह सुधार ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की दिशा में शुरुआती समझौते की घोषणा हुई है और एनर्जी सप्लाई के लिए अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के दोबारा खुलने की उम्मीद बढ़ी है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन और तेल व्यापार को राहत मिल सकती है।

अग्रवाल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत का एक्सपोर्ट बेस लगभग दोगुना हो गया है, जबकि सर्विस एक्सपोर्ट में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। सरकार को उम्मीद है कि नए फ्री ट्रेड डील (FTA) लागू होने के बाद एक्सपोर्ट ग्रोथ को और गति मिलेगी। सरकार UAE, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन जैसे साझेदारों के साथ हुए समझौतों का लाभ एक्सपोर्टर्स तक पहुंचाने के लिए राज्यों में वर्कशॉप भी आयोजित करेगी।

सोना का आयात भी बढ़ा है

जहां एक ओर मई में इंपोर्ट और एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी हुई है। वहीं, दूसरी ओर सोने के आयात में भी तेजी आई है। सोने का आयात अप्रैलमई के दौरान 60 प्रतिशत बढ़कर 9।04 अरब डॉलर हो गया।

ईरान को 300 मिलियन डॉलर भुगतान का दावा फर्जी, परमाणु हथियार पर भी दोहराया US का रुख : ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने बताया कि ईरान सहमत हो गया है कि वह अब कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ट्रंप ने ईरान के साथ एक नए समझौते (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। ट्रंप ने उन खबरों को पूरी तरह गलत बताया जिनमें कहा गया था कि अमेरिका इस शांति समझौते के बदले ईरान को 300 मिलियन डॉलर देगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा 'ईरान ने परमाणु हथियार न रखने पर सहमति जताई है! साथ ही, यह खबर कि अमेरिका ईरान को 300 मिलियन डॉलर दे रहा है, फर्जी खबर है, जिसे डेमोक्रेट्स ने फैलाया है' ट्रंप ने साफ किया कि उनकी सरकार ने यह पक्का कर लिया है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न कर पाए। यह नया समझौता भविष्य के रिश्तों के लिए एक रास्ता तैयार करता है। इसके तहत ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाना इस बात पर निर्भर करेगा कि वह परमाणु जांच में कितना सहयोग करता है। साथ ही ईरान को क्षेत्रीय सुरक्षा के वादे भी पूरे करने होंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ट्रंप के इस कदम का समर्थन किया। वेंस ने कहा कि ट्रंप की शांति की कोशिशें सफल रही हैं। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु ताकत बनने से रोकना ही इस समझौते का सबसे बड़ा लक्ष्य है। वेंस ने बताया कि प्रतिबंधों में छूट तभी मिलेगी जब ईरान अपने यूरेनियम भंडार को खत्म करेगा और कड़ी जांच के लिए तैयार होगा। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह समझौता ईरान के व्यवहार पर टिका है। अगर ईरान परमाणु ठिकानों की जांच करने देता है और कट्टरपंथ को बढ़ावा देना बंद करता है।

ईरान से डील पर हुए डिजिटल साइन, जिनेवा में केवल औपचारिकता... फ्रांस पहुंचने पर बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि ईरान और अमेरिका एक डील के फ्रेमवर्क पर पहुंचे हैं। अब उन्होंने फ्रांस पहुंच कर इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक के दौरान कहा कि ईरान डील पर हस्ताक्षर हो गए हैं, होर्मुज स्ट्रेट आंशिक रूप से खुल गया है और जहाज पहले से ही वहां से गुजर रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि तेल की कीमतों में गिरावट और शेयर बाजार में उछाल के बीच शुक्रवार तक यह पूरी तरह से खुल जाएगा।

इससे पहले रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सोमवार को अमेरिका और ईरान ने लगभग चार महीने से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए एक एग्रीमेंट (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर साइन किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को साइन करने का प्रोग्राम होगा और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही धीरे-धीरे बढ़ेगी।

एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इस एग्रीमेंट पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेरी कलीबाफ ने साइन किए हैं। हालांकि ट्रंप ने खुद जिनेवा जाने से इंकार किया है और कहा कि इस कार्यक्रम में जेडी वेंस हिस्सा लेंगे।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बढ़ेगी

पत्रकारों के साथ बातचीत में अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार को साइन करने का प्रोग्राम भी होगा। नाम न बताने की शर्त पर अमेरिकी अधिकारी ने कहा, "आप देखेंगे कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही में काफी बढ़ोतरी होगी, असल में यह अभी शुरू हो चुकी है और समय के साथ इसमें धीरे-धीरे और तेज होगी।" अधिकारी ने कहा, "हो सकता है कि हम दो हफ़्ते में पूरी तरह सामान्य स्थिति में न लौटें, लेकिन हम स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही में काफी बढ़ेंगे।"

अमेरिका और ईरान के बयानों से क्या पता चलता है?

अमेरिका और ईरान ने अपने बयानों में कहा कि वे युद्ध खत्म करने और स्ट्रेट को फिर से खोलने की शर्तों पर सहमत हो गए हैं। इस खबर से बाजरों को राहत मिली है, हालांकि यह समझौता लेबनान में लड़ाई खत्म होने पर निर्भर हो सकता है और इसमें तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को टाल दिया गया है। जिस पर ईरान के कई मंत्रियों ने आपत्ति जताई है। इजराइली नेशनल सिक्योरिटी मिनिस्टर इतामार बेन ग्विर ने सबसे पहले इस पर टिप्पणी की और अपने फ्लिपकार्ट चैनल पर लिखा, "ट्रंप का समझौता हमें बाध्य नहीं करता हम इस समझौते का हिस्सा नहीं हैं। यह हमारी सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। हमें हिजबुल्लाह के खात्मे से कम किसी भी चीज पर समझौता नहीं करना चाहिए। हमें उस जमीन के एक इंच हिस्से से भी पीछे नहीं हटना चाहिए जिस पर हमारे सैनिकों ने कब्जा किया है और जिसे आतंकवादी ढांचे से मुक्त कराया है।"

19 जून को होंगे समझौते पर हस्ताक्षर

इस डील पर साइन होने का प्रोग्राम 19 को जिनेवा में किया जाना है। यह समझौता उस टकराव को सुलझाने की दिशा में सबसे बड़ी कामयाबी है, जिसमें हजारों लोग मारे गए और फरवरी में ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के बाद से एनर्जी मार्केट भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

समझौते के बाद भी अमेरिका के हाथ खाली, विशेषज्ञ बोले- उल्टा यूएस को नुकसान ही उठाना पड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि इस समझौते के बाद भी अमेरिका के हाथ खाली हैं और अमेरिका अपने कोई भी लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि दोनों देशों के बीच शांति समझौता केवल युद्ध की पूर्व यथास्थिति की बहाली है। अगले 60 दिनों में होने वाली बातचीत तय करेगी कि अमेरिका को इस युद्ध और तबाही से कुछ हासिल होगा भी या नहीं। यह बात सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के पश्चिम एशिया प्रोग्राम के वरिष्ठ फेलो विल टॉडमैन ने कही। टॉडमैन के अनुसार, इस समझौते का मुख्य उद्देश्य युद्धविराम और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना है, जिससे स्थिति अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर हमले से पहले जैसी ही होगी। उन्होंने कहा, 'इस समय तक अमेरिका, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध शुरू करते समय तय किए गए किसी भी प्रमुख लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया है।'

अमेरिका और ईरान रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने पर सहमत हुए। इस कदम से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक के जरिए तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति फिर शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि समझौते का पूरा विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ईरान ने संकेत दिया है कि औपचारिक हस्ताक्षर समारोह के बाद ही समझौते को लागू किया जाएगा। औपचारिक समारोह शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में आयोजित होगा।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक की कोई बात नहीं

समझौते में ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम भंडार और उसके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े लंबित मुद्दों पर बातचीत के लिए 60 दिनों की समय-सीमा भी तय की गई है। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। उन्होंने कहा कि अगले 60 दिनों की बातचीत यह तय करेगी कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम के संबंध में अमेरिका अपने लक्ष्यों को हासिल कर पाता है या नहीं। टॉडमैन का मानना है कि ईरान परमाणु मुद्दों पर बड़े समझौते करने को तैयार नहीं होगा और उसे लगता है कि समय उसके पक्ष में है। उन्होंने कहा, 'ईरान संभवतः वार्ताओं को लंबा खींचने की कोशिश करेगा क्योंकि उसे नहीं लगता कि राष्ट्रपति ट्रंप मध्यावधि चुनावों से पहले फिर से सैन्य कार्रवाई करेंगे। ऐसे में अमेरिका के लिए अपने उद्देश्यों को हासिल करना कठिन होगा।' टॉडमैन के मुताबिक समझौते के बाद ईरान के पश्चिम एशिया में और अधिक आर्थिक रूप से एकीकृत होने की संभावना है। अरब खाड़ी देश तेहरान के साथ आर्थिक परस्पर निर्भरता बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं ताकि भविष्य में किसी संभावित हमले को रोका जा सके।

अमेरिका को उठाना पड़ा भारी रणनीतिक नुकसान

विशेषज्ञ के अनुसार तीन महीने से अधिक चले युद्ध ने अमेरिका के अपने प्रमुख क्षेत्रीय साझेदारों और सहयोगियों के साथ संबंधों को भी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि अरब खाड़ी देशों को महसूस हुआ कि अमेरिका ने युद्ध से पहले और उसके दौरान उनकी चिंताओं और हितों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। इसी कारण ये देश अपनी सुरक्षा साझेदारियों में विविधता लाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम की जा सके।

यूएस-ईरान समझौते के बाद होर्मुज से जल्द निकलेंगे 34 भारतीय जहाज, करोड़ों किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित होगी। इसका असर भी दिखना शुरू हो गया है। दरअसल तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ला रहे भारतीय टैंकर दिशा ने सुरक्षित होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर लिया है। भारत आ रहे 34 अन्य जहाजों के भी जल्द होर्मुज पार करने की उम्मीद है। ये जहाज पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज में फंसे हैं। होर्मुज में फंसे 34 जहाजों में से 16 जहाज ऐसे हैं, जो फर्टिलाइजर लेकर भारत आ रहे हैं। इन 16 जहाजों में से 8 पर यूरिया, चार पर डाइ-अमोनियम फॉस्फेट और तीन पर सल्फर और एक पर अमोनिया लदा है। अगर समझौते के तहत सबकुछ सही रहता है और होर्मुज खुलता है तो जल्द ही भारत के करोड़ों किसानों को खेती के लिए फर्टिलाइजर मिल सकते हैं। हालांकि अभी हालात सामान्य होने में वक्त लग सकता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के दौरान ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाया गया। पश्चिम एशिया की कई अहम रिफाइनरियां और गैस प्लांट हमलों में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। जिससे युद्ध समाप्त होने के बाद भी आपूर्ति सामान्य होने में कई महीनों का वक्त लग सकता है। कतर का रास लफ्फान प्लांट हमले में बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है और वहां से ईंधन आपूर्ति सामान्य होने में कई महीने लग सकते हैं। भारत के इस गैस प्लांट से एलपीजी आपूर्ति का कॉन्ट्रैक्ट है, ऐसे में हालात सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा। भारत अपनी जरूरत का 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से करीब आधा हिस्सा पश्चिम एशिया से ही आपूर्ति होता है। साथ ही भारत के कुल आयात की 60 प्रतिशत से ज्यादा एलएनजी भी होर्मुज से गुजरकर भारत आती है। यही वजह है कि पश्चिम एशिया संकट के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से भारत को होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई। होर्मुज से पार हुआ दिशा टैंकर 18 जून तक भारत आ सकता है और इस पर 62,370 टन एलएनजी है।

'राहुल गांधी एक बड़ा मजाक', डीएमके का कांग्रेस पर तीखा हमला, गठबंधन तोड़ने का लगाया आरोप

चेन्नई, एजेंसी। देशभर में जारी सियासी गर्माहट के बीच विपक्षी गठबंधन (इंडी गठबंधन) के भीतर दरारें अब खुलकर सामने आ गई हैं। तमिलनाडु में सत्ता से बाहर हुई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने अपने पूर्व सहयोगी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोला है।

डीएमके ने राहुल गांधी को एक बड़ा मजाक बताते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने ही विपक्षी एकता को कमजोर किया है। डीएमके ने यह दोतरफा हमला अपनी आईटी विंग और अपने आधिकारिक अखबार 'मुरासोली' के जरिए किया है।

डीएमके की आईटी विंग ने सोशल मीडिया पर बेहद कड़े शब्दों में लिखा कि जब कांग्रेस अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए लड़ रही थी, तब हमने उन्हें अपने कंधों पर उठाया। लेकिन जैसे ही उन्हें एक नया और चमकदार खिलौना (नया साथी) दिखा, उन्होंने तुरंत पाला बदल लिया। राहुल गांधी एक बहुत बड़ा मजाक हैं।

मुरासोली का आरोप- राहुल गांधी खुद बिखराव की वजह

इसके अलावा सोमवार को डीएमके के मुखपत्र 'मुरासोली' में छपे एक संपादकीय में राहुल गांधी की राजनीतिक समझ पर गंभीर सवाल उठाए गए। अखबार ने लिखा कि राहुल गांधी दूसरों को तो विपक्षी एकता का पाठ पढ़ाते हैं, लेकिन अलग-अलग राज्यों में इस एकता को कमजोर करने वाले वह खुद हैं। संपादकीय में केरल का उदाहरण देते हुए कहा गया कि चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को गिरफ्तार करने की मांग की थी। इस वजह से वामपंथी नेता आज भी उनसे नाराज हैं और पूछ रहे हैं कि कांग्रेस का मुकाबला बीजेपी से है या अपने ही सहयोगियों से?

तमिलनाडु में क्या हुआ, जिससे बिगड़ी बात?

गौरतलब है कि इस पूरी लड़ाई की जड़ में हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद समीकरणों का बदलना है। कारण है कि कांग्रेस ने चुनाव तो डीएमके के गठबंधन में रहकर लड़ा और 5 सीटें जीतीं। लेकिन चुनाव के बाद कांग्रेस ने डीएमके का साथ छोड़ दिया और अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी 'टीकेवी' (TVK) की सरकार में शामिल हो गई

डीएमके का बदला, कांग्रेस पर आरोप

ऐसे में डीएमके ने इसे एक बड़ा धोखा करार दिया। साथ ही इस धोखे से नाराज पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस द्वारा बुलाई गई 'INDIA' गठबंधन की बैठक का बहिष्कार कर दिया। पार्टी का कहना है कि वह कांग्रेस के नेतृत्व वाली बैठक में शामिल नहीं होगी।

अब डॉक्टर की पर्ची के बिना कफ सिरप नहीं, सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। अब कोई भी सिरप बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार ने खांसी की दवाइयों की बिक्री के नियमों में बदलाव किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने इसको लेकर एक नोटिफिकेशन जारी किया है। 9 जून को जारी इस नोटिफिकेशन में सरकार ने बताया है कि खांसी की सिरप समेत सभी तरह की सिरप को खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची जरूरी होगी।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 में बड़ा बदलाव किया है। नए नियमों के तहत अब 1000 से कम आबादी वाले छोटे गांवों में भी कफ सिरप की बिक्री बिना लाइसेंस के नहीं की जा सकेगी। सरकार ने पुराने दवा नियम 1945 की अनुसूची 'K' से 'सिरप' शब्द हटा दिया गया है। पहले इस श्रेणी के तहत छोटे गांवों में कफ सिरप बेचने के लिए कुछ लाइसेंस संबंधी नियमों से छूट मिलती थी। नए बदलाव के बाद अब कफ सिरप की बिक्री और वितरण केवल लाइसेंस प्राप्त मेडिकल स्टोर या फार्मेसी के जरिए ही किया जा सकेगा। यह नियम औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उससे जुड़े नियमों के तहत लागू होगा।

अब डॉक्टर की पर्ची दिखाना अनिवार्य

अब आप मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर के पर्चे के कोई भी सिरप (जैसे खांसी, सर्दी या बुखार का सिरप) नहीं खरीद पाएंगे। केंद्र सरकार ने 9 जून 2026 से एक नया नियम लागू किया है। पहले कुछ आम सिरप बिना डॉक्टर की पर्ची के मिल जाते थे। सरकार ने अब उन्हें उस सूची से हटा दिया है। अब खांसी की दवा समेत किसी भी तरह का सिरप खरीदने के लिए डॉक्टर की लिखित पर्ची दिखाना अनिवार्य होगा।

नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कफ सिरप की बिक्री और वितरण पर बेहतर निगरानी रखने, दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और जनस्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यह फैसला लिया गया है। सरकार का कहना है कि इस बदलाव से देशभर में कफ सिरप की बिक्री अधिक जिम्मेदारी और तय मानकों के अनुसार हो सकेगी। मंत्रालय ने कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों, वितरकों और दवा विक्रेताओं को सभी लाइसेंस और नियामकीय नियमों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है।

मन पिशाच के बाद एक और एआई फिल्म लेकर आए राही अनिल बर्वे, जारी हुआ वन-विदिशा का ट्रेलर

फिल्ममेकर राही अनिल बर्वे की पिछली फिल्म मायासभा और मन-पिशाच का दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब अनिल ने अपनी एक और एआई बेस्ड फिल्म वन-विदिशा की झलक सोशल मीडिया के जरिए दी है। मन-पिशाच की तरह ही यह फिल्म भी जीरो बजट में बनी है।

बर्वे ने इस एआई फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर रिलीज किया। ट्रेलर के मुताबिक यह किसी जंगल में पनपते रहस्य की कहानी है। इसमें एक राजा है, एक अप्सरा है और एक मसखरा भी है। इन सब के साथ एक लड़की भी है जिसे दोबारा जीवित किया गया है।

ट्रेलर किसी जंगल में रहने वाली लोककथा या कहानी पर आधारित लग रही है। किरदारों के कपड़ो के डिजाइन से भी ऐसा लग रहा है। पूरे ट्रेलर की बात करें तो यह फिल्म प्रकृति और लोक कथा का मेल मालूम होती है।

अनिल राही बर्वे ने बहुत कम बजट में फिल्म 'तुम्बाड़Oका निर्माण किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फिल्म में हॉरर भी अच्छी तरह दिखाया गया था। इसके बाद उन्होंने हाल ही में एक्सपेरिमेंटल फिल्म मन पिशाच बनाई और उसे यूट्यूब पर रिलीज किया।

इस फिल्म का टोटल बजट सिर्फ 33 हजार था। 80 मिनट की यह फिल्म उन्होंने घर पर बैठे-बैठे कंप्यूटर पर ही बना दी थी। फिल्म मे दो किरदार थे यानिया भारद्वाज और दीपक दामले। हॉरर बेस्ड इस एआई फिल्म की दर्शकों ने खूब तारीफ की थी।

हाल ही में मेकर्स ने तुम्बाड के रीमेक तुम्बाड 2 की घोषणा की है। इस फिल्म को पहले पार्ट की तरह सोहम शाह ही प्रोड्यूस कर रहे हैं पर इसे अनिल डायरेक्ट नहीं करेंगे। इस बार मेकर्स ने फिल्म के निर्देशन के लिए आदेश प्रसाद को चुना है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आएंगे।

अनिल ने फिल्म का पहला पार्ट डायरेक्ट किया था। बीते दिनों एक इंटरव्यू में उन्होंने इसके सेकंड पार्ट को डायरेक्ट करने का मौका ना मिलने पर अफसोस भी जताया था।

गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म कैरी ऑन जट्टा 4 का टीजर जारी, रिलीज तारीख से उठा पर्दा

गिप्पी ग्रेवाल अपनी लोकप्रिय पंजाबी फ्रैंचाइजी कैरी ऑन जट्टा की चौथी किस्त को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कैरी ऑन जट्टा 4 का धमाकेदार टीजर जारी कर दिया है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठाया गया है। फिल्म का निर्देशन स्मीप कांग ने किया है, जबकि निर्माण गिप्पी और रवनीत कौर ग्रेवाल ने मिलकर किया है। हंबल मोशन पिक्चर्स एफजेडीसीओ द्वारा प्रस्तुत फिल्म 26 जून, 2026 को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

कैरी ऑन जट्टा 4 का टीजर अपने साथ पुरानी पागलपंती और कॉमेडी की भरपूर डोज लेकर लौटा है। सबसे खास बात जो ध्यान खींचती है, वो यह कि निर्माताओं ने टीजर में दिवंगत दिग्गज कॉमेडियन जसविंदर भल्ला को भावुक श्रद्धांजलि दी है। कुल मिलाकर पिछली तीनों किस्तों की तरह ही चौथी फिल्म के जरिए अभिनेता दमदार वापसी करने वाले हैं। फिल्म में गिप्पी के अलावा, सरगुन मेहता, बिन्नू ढिल्लों, गुरप्रीत गुग्गी और करमजीत अनमोल भी अहम किरदारों में शामिल हैं।

शिकागो की सड़कों पर सैर करती नजर आईं मृणाल ठाकुर, शहर को अलविदा कहते हुए टूटा दिल

'है जवानी तो इश्क होना है' की चर्चा के बीच मृणाल ठाकुर अमेरिका के शिकागो गई हैं। यहां से उन्होंने अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। आइए डालते हैं एक नजर।

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर चर्चा में हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ठीक ठाक कमाई कर रही है। इस बीच मृणाल ठाकुर शिकागो की सैर पर गई हैं। यहां से उन्होंने अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं।

मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने शिकागो की सड़कों पर पोज दिए हैं। उन्होंने अलग-अलग आउटफिट भी पहने हैं। यही नहीं उन्होंने यहां से वर्कआउट करते हुए भी तस्वीर शेयर की है।

कैप्शन में क्या है?

तस्वीरें शेयर करते हुए मृणाल ठाकुर ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा 'बैग पैक कर रही हूं और इस शहर को गुड बाय कह रही हूं। ये वाकई जानलेवा है।' इसके साथ उन्होंने रोने वाला और दिल टूटने वाला इमोजी भी लगाया है।

कौन हैं फिल्म के निर्देशक?

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 5 जून को रिलीज हुई है। इसके निर्देशक डेविड धवन हैं। इसे टिप्स फिल्म्स और मैक्सिमिलियन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

फिल्म की स्टारकास्ट

इसमें मृणाल ठाकुर के अलावा वरुण धवन और पूजा हेगड़े अहम किरदारों में हैं। मुख्य कलाकारों के अलावा इसमें सहायक कलाकारों में मौनी रॉय, चंकी पांडे, राकेश बेदी, कुब्रा सैत और अन्य शामिल हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म की कहानी जस (वरुण धवन) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह अपनी पत्नी बानी (मृणाल ठाकुर) से इसलिए तलाक लेने की कोशिश करता है क्योंकि वह बच्चा चाहता है। जस जब लंदन जाता है, तो उसकी मुलाकात प्रीत (पूजा हेगड़े) से होती है। दोनों में प्यार होता है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब तलाक के बीच बानी और प्रीत दोनों एक-साथ जस को अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी देती हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com